■ मार्गशीर्ष शुक्ल - 2 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 139 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 14-12-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 फिर शिखर पर पहुंचने के लिये प्रेरित हूं : रोहित शर्मा

6 जरूरी है ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूकता

7 विभाजन के समर्थक देश की अखंडता को दे रहे चुनौती : आरके सिंह

फर्स्ट टेक

कीव पर रूसी मिसाइल हमले में 53 लोग घायल

कीव/वार्ता। रूस की ओर से यूक्रेन की राजधानी कीव में बुधवार को मिसाइल दागे जाने से करीब 53 लोग घायल हो गये। मेयर वी कलिस्तको ने आज यहां यह जानकारी दी। कलिस्तको ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'टेलीग्राम' पर कहा,इस हमले में घायल दो बच्चों समेत 20 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और शेष घायलों को आवश्यक उपचार देने के बाद छुट्टी दे दी गयी। उन्होंने कहा कि रूस की ओर से किये गये हवाई हमले में पूर्वी निप्रोव्स्की और दक्षिणपूर्वी डार्नित्स्की जिलों में बच्चों का एक अस्पताल, एक अपार्टमेंट, निजी मकान और कई कार क्षतिग्रस्त हो गए। यूक्रेन की वायु सेना ने एक बयान में कहा कि कीव में दागे गए सभी 10 ब्लास्टिक मिसाइलों को निष्क्रिय कर दिया गया। इस सप्ताह में रूस की ओर से कीव में किया गया यह दूसरा हवाई हमला है।

ब्राजील के राष्ट्रपति की पत्नी के एक्स अकाउंट पर हैकरों ने किया हमला

ब्रासीलिया/वार्ता। ब्राजील की प्रथम महिला रोसांगेला लूला दा सिल्वा के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हैकरों ने हमला किया है और उनकी ओर से अश्लील तस्वीरें वितरित की हैं। इससे पहले ब्राजील के राष्ट्रपति की पत्नी के एक्स अकाउंट पर कथित तौर पर आपत्तिजनक और अश्लील सामग्री वाले विभिन्न पोस्ट प्रकाशित किए गए थे। सुश्री रोसांगेला लूला दा सिल्वा का अकाउंट फिलहाल ब्लॉक नहीं किया गया है, लेकिन उनके पेज पर एक भी पोस्ट दिखाई नहीं दे रहा है। सीएनएन ब्राजील न्यूज चैलन ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि संघीय पुलिस घटना की जांच करेगी। ब्राजील के सोशल कम्युनिकेशन सचिवालय के प्रमुख पाउलो पिमेंटा ने न्यूज चैनल को बताया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और संघीय पुलिस दोनों को घटना के बारे में पहले ही सूचित कर दिया गया था। पुलिस ने सीएनएन ब्राजील से पुष्टि की कि वह इस मामले की जांच करेगी।

पाकिस्तान में शेर के साथ सेल्फी लेने के प्रयास में व्यक्ति गंभीर रूप से घायल

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक शेर ने उसके साथ सेल्फी लेने का प्रयास कर रहे 20 वर्षीय एक व्यक्ति को गंभीर रूप से घायल कर दिया। एक सप्ताह पहले ही इसी प्रांत के एक चिड़ियाघर में चार शेरों ने एक व्यक्ति को नोंच-नोंच कर मार डाला था। पुलिस ने बुधवार को बताया कि यहां से करीब 200 किलोमीटर दूर सरगोधा शहर में सरकार के उद्यान एवं बागवानी प्राधिकरण (पीएचए) ने एक लोक मेला आयोजित किया था, जहा मंगलवार को यह घटना हुई।

14-12-2023 सूर्यास्त 5:55 बजे	15-12-2023 सूर्योदय 6:33 बजे
BSE 69,584.60 (+33.57)	NSE 20,926.35 (+19.95)
सोना 6,565 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 79,730 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

समेकित परिणाम

डूबे जहाज जो तैर रहे,
खिल गया कमल फिर से पूरा।
हाथों ने थामे सिर अपने,
हो गया दंभ चूरा-चूरा।
हो गई घोषणाएं पंचर,
कुश्तियां लड़ रहे थे नूरा।
वो फिर से गीदड़ बन बैठे,
कह रहे स्वयं को जो सूरा।।

संसद पर एक और हमला, देश में सनसनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। संसद पर आतंकवादी हमले की 22वीं बरसी के दिन बुधवार को चार युवा संसद की सुरक्षा में सेंध लगाकर लोकसभा की दर्शक दीर्घा में पहुंच गए तथा वहां से दो ने छलांग लगायी और सदन के अंदर आकर कोई गैस छोड़ दी।

इस घटना के बाद विपक्ष ने दोनों सदनों में और बाहर संसद भवन की सुरक्षा का मामला उठाया। विपक्ष के नेताओं ने इसे अत्यंत गंभीर सुरक्षा चूक बताते हुए गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने नये संसद भवन की डिजाइन को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी हमला किया।

रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी के एन के प्रेमचंद्रन ने कहा कि अमेरिका स्थित खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने दिसंबर में संसद पर हमला करने की धमकी दी थी। जांच की जानी चाहिए कि कहीं ये युवा उसी साजिश के तहत तो नहीं आए थे।

यह दिल दहला देने वाली घटना करीब एक बजे हुई जिस समय लोकसभा में शून्यकाल चल रहा था और भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के राजेन्द्र अग्रवाल सदन में कार्यवाही का संचालन कर रहे थे।

- चार युवा संसद की सुरक्षा में सेंध लगाकर लोकसभा की दर्शक दीर्घा में पहुंच गए
- दो युवा ने छलांग लगायी और सदन के अंदर आकर कोई गैस छोड़ दी
- यह दिल दहला देने वाली घटना करीब एक बजे हुई जिस समय लोस में शून्यकाल चल रहा था
- जो युवा सदन में कूदे थे उनके नाम सौरभ और मनोरंजन जो क्रमशः लखनऊ और कर्नाटक के रहने वाले हैं
- दर्शक दीर्घा में उनके साथ गए बाकी दोनों के नाम अमोल और नीलम (महिला) हैं जो क्रमश- महाराष्ट्र और हिसार (हरियाणा) के रहने वाले हैं।

इस घटना के बाद राजधानी और समूचे देश में सनसनी फैल गयी। दिल्ली पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के शीर्ष अधिकारी संसद भवन पहुंच गए और दीर्घाओं को खाली कराने के बाद जांच शुरू हो गई। लोकसभा में शून्य काल में भाजपा के सदस्य खगेन मुर्मु अपने संसदीय क्षेत्र से संबंधित लोक महत्व के किसी विषय पर बोल रहे थे तभी पीठासीन अधिकारी राजेंद्र अग्रवाल का ध्यान पीछे की ओर गया जहां एक युवक दर्शक दीर्घा से कूद कर बेंचों को फांदते हुए आगे बढ़ रहा था। तीन पंक्ति बाद उसे राष्ट्रीय जनता पार्टी के सदस्य हनुमान बेनीवाल ने पकड़ लिया और कुछ सदस्यों ने उसे पीटना शुरू कर दिया।

तभी एक और युवक दर्शक दीर्घा की रेलिंग से लटक कर सदन के अंदर कूदा और तेजी से गैलरी से सदन के बीच की ओर दौड़ पड़ा। उसे कांग्रेस के सांसद गुरजीत सिंह औजला ने पकड़ कर पिटाई की।

गृह मंत्रालय ने संसद सुरक्षा चूक मामले की जांच के लिए समिति गठित की

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने लोकसभा सचिवालय के अनुरोध पर बुधवार को संसद की सुरक्षा में हुई चूक की घटना की जांच के आदेश दिए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। गृह मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के महानिदेशक अनीश दयाल सिंह के नेतृत्व वाली एक समिति घटना की जांच करेगी। उन्होंने कहा कि समिति में अन्य सुरक्षा एजेंसियों के सदस्य और विशेषज्ञ भी शामिल रहेंगे। समिति संसद की सुरक्षा में चूक के कारणों का पता लगाएगी और कार्रवाई की सिफारिश करेगी।

दोनों सदनों में बयान दे गृहमंत्री : खड़गे

नई दिल्ली/वार्ता। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने लोकसभा में दर्शक दीर्घा से दो दर्शकों के सदन में कूदने पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए बुधवार को कहा कि गृहमंत्री अमित शाह को इस मुद्दे पर दोनों सदनों में बयान देना चाहिए। खड़गे ने कहा,आज संसद में जो सुरक्षा चूक हुई है वह एक बहुत गंभीर मामला है। हम माँग करते हैं कि गृह मंत्री जी दोनों सदनों में आ कर इस पर बयान दें। ये प्रश्न है कि इतने बड़े सुरक्षा महकमें में कैसे दो लोग अंदर आ कर कैनिस्टर से गैस वहाँ पर छोड़े हैं। उन्होंने कहा,आज ही हमने 22 साल पहले हुए संसद पर हमले को, शहीद दिवस पर, जाबांज़ सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की थी। हम उम्मीद करते हैं कि सरकार इसे पूरी गंभीरता से लेगी और हम पूरी घटना की गहन जाँच की माँग करते हैं। देश की एकता और अखण्डता के लिए हम हमेशा तैयार है।

कैदियों को कट्टरपंथी बनाने के मामले में एनआईए ने बेंगलूरु में मारा छापा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बेंगलूरु/वार्ता। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के आतंकवादी द्वारा कैदियों को कट्टरपंथी बनाने से संबंधित एक मामले में बुधवार को कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु में कई स्थानों पर छापा मारा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मामले में एनआईए की जांच के तहत चार आरोपियों के घरों सहित कुल छह स्थानों की बड़े पैमाने पर तलाशी ली गई, जिनमें से एक अभी भी फरार है। जिन अन्य स्थानों की तलाशी ली गई, उनमें दो अन्य संदिग्धों से जुड़े परिसर शामिल हैं। एनआईए की टीमों ने मोहम्मद उमर, मोहम्मद फैसल रब्बानी, तनवीर अहमद और मोहम्मद फारूक के साथ-साथ भगोड़े जुनैद अहमद के ठिकानों पर छापा मारा। इस दौरान कई डिजिटल डिवाइस, विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज और 7.3 लाख की नकदी जब्त की गयी।

संसद ने अप्रचलित 76 कानूनों को निरस्त करने वाले विधेयक को दी मंजूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसद ने 76 अप्रचलित कानूनों को निरस्त करने के प्रावधान वाले विधेयक को बुधवार को मंजूरी प्रदान कर दी और सरकार ने कहा कि यह कदम जीवन और व्यापार की सुगमता की दिशा में किए जा रहे निरंतर प्रयासों का हिस्सा है। राज्यसभा ने निरसन और संशोधन विधेयक, 2023 को ध्वनिमत से मंजूरी दे दी। लोकसभा ने इस साल 27 जुलाई को इस विधेयक को मंजूरी दी थी। सरकार ने पिछले साल दिसंबर में 65 पुराने कानूनों को खत्म करने के लिए निरसन और संशोधन विधेयक पेश किया था। लेकिन यह विधेयक विभिन्न सत्रों में चर्चा के लिए नहीं आ सका। सरकार ने बाद में सूची में 11 और कानूनों को जोड़ने के लिए संशोधन पेश किया, जिससे ऐसे कानूनों की कुल संख्या 76 हो गई।

इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष

संयुक्त राष्ट्र महासभा को युद्धविराम मतदान के पक्ष में भारी बहुमत प्राप्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संरा/वार्ता। इजरायल-फिलिस्तीन के बीच जारी संघर्ष को तत्काल रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र (संरा) महासभा ने अपने द्वारा कराए गए मतदान में 153 देशों से भारी बहुमत प्राप्त हुआ है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा मंगलवार को 193 मजबूत एसेंम्बली में 153 सदस्य देशों ने पक्ष में मतदान किया जबकि अमेरिका और इज़रायल सहित 10 देशों ने विरोध में मतदान किया, जबकि 23 सदस्य अनुपस्थित रहे। फ़िलिस्तीनी प्रतिनिधि रियाद मंसूर ने कहा कि यह एक 'ऐतिहासिक दिन' है। महासभा द्वारा शत्रुता को रोकने का दूसरा प्रयास था। अक्टूबर में, इसने 'मानवीय संघर्ष विराम' का आह्वान किया था जिसको लेकर पारित प्रस्ताव में पक्ष में 121 वोट, विपक्ष में 14 वोट और 44 अनुपस्थित मिले थे। विश्लेषकों ने कहा कि हालांकि गैर-बाध्यकारी, ऐसे प्रस्तावों को अंतरराष्ट्रीय राय के एक शक्तिशाली उपाय के रूप में देखा जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस लंबे समय से गाजा में 'सार्वजनिक व्यवस्था के पूर्ण विघटन' को रोकने के लिए मानवीय युद्धविराम पर जोर दे रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि सात अक्टूबर को इज़रायल पर हमास के हमले के बाद इज़रायल गाजा पट्टी में हवाई हमले और जमीनी हमले कर रहा है। इस दौरान, इजरायली अधिकारियों ने कहा कि 1,200 लोग मारे गए और अन्य 240 को बंधक बना लिया गया। कुछ अपहृत लोगों को बाद में एक संक्षिप्त संघर्ष विराम के दौरान रिहा कर दिया गया। गाजा में हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इज़रायल द्वारा हमले में जारी सैन्य अभियान के दौरान 18,200 से अधिक लोगों को मारे गए हैं।

प्रथम पावन स्मरण - श्रद्धासुमन

स्व. श्री फूलचंदजी डालचंदजी करबावाला (मांडोत)
1946 - 2022

जीवन का प्रत्येक पल आपकी कर्मशीलता एवं सिद्धांतों से मार्गदर्शित होकर सेवा-धर्म को समर्पित और संकल्पित बना रहें।
पावन स्मरण कर आपका, श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं।
सदा रहे दिव्य आशीष आपका यही भावना रखते हैं।

श्रद्धावनत
समस्त करबावाला (मांडोत) परिजन
सादडी-राणकपुर / बेंगलोर

Laxmi Silks   Laxmi Fashions

J.M. Road, Bangalore - 2. M. : 98450 44040, 99866 64040, 98452 44040

प्रदेश में 187 ब्लैक स्पॉट को दुर्घटना रहित स्पॉट के रूप में विकसित किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सुवर्ण विधान सौधा/बेलगावी। लोक निर्माण विभाग संचार और भवन क्षेत्रों के तहत, राज्य राजमार्गों और जिला मुख्य सड़कों पर 187 ब्लैक स्पॉट को दुर्घटना मुक्त बनाने के लिए (पीआरएएमसी) द्वारा 23204.42 लाख रुपये की अनुमानित लागत पर विकसित किया गया है। इनमें से 182 ब्लैक स्पॉट विकास कार्य पूर्ण हो चुके हैं तथा शेष 5 कार्य प्रगति पर हैं। राजस्व मंत्री कृष्णा बैरेगौड़ा ने कहा कि इस तरह के स्पॉट के विकास पर अब तक 13841.49 लाख रुपये खर्च किये गये हैं।

उन्होंने कहा कि सदस्य के.ए. तिप्पेस्वामी ने लोक निर्माण मंत्री की ओर से ध्यानार्कषण प्रश्न का उत्तर दिया जा रहा था। पीआरएएमसी और लोक निर्माण विभाग, संचार और भवन क्षेत्रों के तहत विभागों द्वारा अब तक विकसित किए गए कुल 205 ब्लैक स्पॉट को 3 साल के वार्षिक अध्ययन के लिए अब तक विकसित 99 ब्लैक स्पॉट के वैज्ञानिक रूप से कार्यान्वयन के बाद के अध्ययन को पूरा करने के लिए विभिन्न तकनीकी कॉलेजों को सौंपा गया है। रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है और उक्त अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार विकसित ब्लैक स्पॉट में दुर्घटनाओं की संख्या में काफी कमी देखने को मिलेगी। पीडब्ल्यूडी मंत्री सतीश जारकीहोली ने दुर्घटनाग्रस्त क्षेत्र का ब्यौरा देते हुए बताया कि बृहद् बेंगलूरु महानगर पलिका क्षेत्र में 27 स्थान चिन्हित किए गए हैं। जहां अनेक दुर्घटनाएं आए दिन हो रही है। जिसमें स्मार्ट सिटी में दो स्थान आते हैं। बेंगलूरु के बाहरी क्षेत्र में नवायुगा टोल जंक्शन बेंगलूरु नार्थ, होसुरु मैन रोड में रूपेन अग्रहारा जंक्शन, सिंगसान्द्रा बस स्टॉप, नागनाथ पुरा जंक्शन, कोनप्पन अग्रहारा, वीर सान्द्रा जंक्शन, इलेक्ट्रानिक सिटी नाइस रोड टोल, एसएनएन अपार्टमेंट के पास, पूर्वांकर अपार्टमेंट के पास, नागेनगौड़न पाल्या में, आरवी कॉलेज मैसूरु रोड, मैसूरु रोड के मैलसान्द्रा जंक्शन, मधु पेट्रोल पम्प जंक्शन, डोडबैले जंक्शन, डोड्डबैले जंक्शन, देवनहल्ली के मीनकट्टे जंक्शन, एमवीआईटी जंक्शन, काडगनहल्ली गेट, कन्नमंगला पाल्या गेट, ओल्ड मद्रास रोड बटरहल्ली, यलहंका आईएजी सर्कल, जक्कूर एयरोड्रम फ्लाईओवर, वाईपास नियर काफीडे, आईटीपीएल मैन रोड, वर्तुर लेक रोड, आउटर रिंग रोड जेपी मार्ग, फॉरेस्ट आफिस, क्रोमा शो रूम के पास सर्कल, कोरमंगला इनर रिंग रोड, ओल्ड एयरपोर्ट रोड, महादेवपुरा रिंग रोड आदि स्पॉट दुर्घटना के दृष्टि से चिन्हित किए गए हैं।

अडाणी समूह हरित ऊर्जा बदलाव पर करेगा 100 अरब डॉलर का निवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उद्योगपति गौतम अडाणी की अगुवाई वाला अडाणी समूह अगले 10 साल में अपने बंदरगाह, बिजली और सीमेंट परिचालन में हरित ऊर्जा बदलाव के लिए 100 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करेगा।

समूह का लक्ष्य 2050 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जक बनना है। समूह की ओर से जारी बयान के अनुसार, '' ऊर्जा बदलाव हासिल करने की दिशा में उसकी कंपनियां अगले दशक में 100 अरब डॉलर का निवेश करेंगी। इसमें से 70 प्रतिशत निवेश स्वच्छ ऊर्जा के लिए होगा।'' समूह ने अपनी पांच कंपनियों अडाणी ग्रीन एनर्जी, अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस, अडाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड, एसीसी और अंबुजा सीमेंट्स के लिए 2050 या उससे पहले शुद्ध शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने की योजना बनाई है। उद्योगपति गौतम अडाणी नीत समूह सक्रिय रूप से नवीकरणीय ऊर्जा की 'सोर्सिंग' कर रहा है। समूह संचालन का विद्युतीकरण कर रहा है और जैव ईंधन को अपना रहा है। इसके साथ ही 'वेस्ट हीट रिकवरी' और ऊर्जा भंडारण प्रौद्योगिकियों को तैनात कर रहा है।

वित्त वर्ष 2023-24 की पहली छमाही के लिए अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस की अनुषंगी कंपनी अडाणी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई ने समग्र मिश्रण में अपनी नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) हिस्सेदारी को प्रभावशाली 38.3 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है।

पीडीएस में सी-फूड को शामिल करने की केंद्र की कोई योजना नहीं : सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बुधवार को लोकसभा को अवगत कराया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत लाभार्थियों को सी-फूड देने की कोई योजना नहीं है। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री पीयूष गोयल ने प्रश्नकाल के दौरान वाईएसआर कांग्रेस के श्रीकृष्ण देवरायालू लावू के एक पूरक प्रश्न के उत्तर में यह बात कही।

गोयल ने कहा कि केंद्र सरकार देश में 81 करोड़ लोगों को खाद्यान्न उपलब्ध कराती है और गरीबों के लाभ के लिए दो लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर रही है, ऐसे में राज्य सरकारों को भी कुछ करने की इच्छा है तो वह अलग से जोड़ सकती हैं। उन्होंने आगे कहा, ''यदि राज्य सरकार गेहूं, चावल के बदले मोटा अनाज देना चाहे तो दे सकती है। राज्य सरकार भारतीय खाद्य निगम को आदेश देकर मोटा अनाज खरीदवाए और उसे गेहूं, चावल के बदले दे।'' गोयल ने कहा, ''अन्य पदार्थ को जोड़ने का कोई प्रस्ताव केंद्र सरकार के सामने नहीं है और गरीबों के खाद्यान्न की जरूरतें पूरी की जा रही हैं। (हमें) संतुष्टि है कि आज देश में भुखमरी के कारण किसी की जान नहीं जा रही है।'' पीडीएस में सी-फूड शामिल करने की नीति आयोग की सिफारिश पर अमल को लेकर पूछे गये प्रश्न के उत्तर में गोयल ने कहा, ''ऐसा लगता है कि सदस्य को अच्छा नहीं लगता कि गेहूं चावल दिया जा रहा है। नीति आयोग का काम नई-नई चीजों का गहराई से अध्ययन करना और अपने विचार रखना है। ऐसे कई विचार आयोग राज्य सरकारों के लिए भी रखता है। उस पर उपयुक्त विचार करके केंद्र सरकार उस पर निर्णय लेती है।'' उन्होंने कहा, पहले के जमाने में हर राज्य को तत्कालीन योजना आयोग का दरवाजा खटखटाना होता था। हर योजना के लिए तत्कालीन योजना आयोग के पास जाना होता था। अब पहले का जमाना खत्म हो गया। राज्य सरकार पूरी तरह स्वेच्छा से काम कर सकती है तथा अपने बजट को अपने हिसाब से खर्च कर सकती है। अब योजना आयोग का नियंत्रण खत्म हो गया है।

लोकसभा में सुरक्षा चूक के बाद कर्नाटक विधानसभा सतर्क और सजग

बेलगावी। लोकसभा में दो व्यक्तियों के दर्शक दीर्घा से सदन में कूदने की घटना के बाद कर्नाटक विधानसभा ने बुधवार को अलर्ट जारी किया और विधायकों से अत्यधिक सावधानी बरतने तथा लोगों को आगंतुक पास जारी करने से पहले उचित सत्यापन करने को कहा। सरकार और विधानसभा अध्यक्ष ने यहां जारी विधानमंडल सत्र के दौरान और भविष्य में बेंगलुरु में ऐसी किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए उचित सुरक्षा और कड़ी निगरानी सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

संसद में हुई घटना को निंदनीय और खतरे की घंटी बताते हुए विधानसभा अध्यक्ष यू.टी. खादर ने कहा कि इसकी गहन जांच होनी चाहिए और इसके पीछे के लोगों को कड़ी सजा दी जानी चाहिए। विधायक व जनप्रतिनिधि न जानने के बावजूद अच्छी मंशा से लोगों को पास जारी करते हैं। उन्होंने विधायकों को जिम्मेदार होने के लिए आगाह किया और कहा, पास जारी करने से पहले सख्ती से जांच करें, बिना पहचान जाने व आधार कार्ड को सत्यापित किए बिना पास जारी न करें। विस अध्यक्ष ने विधायकों से सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 'विधान सौधा'(कर्नाटक विधानमंडल भवन) परिसर में अनावश्यक रूप से लोगों से नहीं मिलने को कहा। उन्होंने उचित सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए गृह मंत्री, खुफिया अधिकारियों, पुलिस, उपायुक्त, मार्शल और अन्य अधिकारियों से बात की है।

सिद्दरामैया ने संसद की सुरक्षा में चूक पर जताई हैरानी, निष्पक्ष जांच की मांग की

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने बुधवार को संसद के निचले सदन लोकसभा की सुरक्षा में चूक पर हैरानी जताते हुए इस घटना की निष्पक्ष जांच का आह्वान किया। सिद्दरामैया ने इस घटना को सुरक्षा व्यवस्था में बड़ी चूक करार देते हुए कहा कि यह केंद्र सरकार, विशेष रूप से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का कर्तव्य है कि वह इसकी निष्पक्ष जांच करें और घटना की पूरी जानकारी जनता के सामने रखें।

मुख्यमंत्री ने कहा, संसद भवन पर हमला चौंकाने वाला और परेशान करने वाला है तथा मैं हिंसा के इस कृत्य की निंदा करता हूं। राहत की बात यह है कि संसद के सभी सदस्य सुरक्षित हैं। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद ऐसी घटना का होना वाकई चौंकाने वाला घटनाक्रम है। उन्होंने कहा, यदि हम ध्यान दें कि आज का हमला 22 साल पहले (13-12-2001) संसद पर हुए आतंकवादी हमले की बरसी के साथ मेल खाता है, तो संदेह पैदा होता है कि इसके पीछे अन्य उद्देश्य भी हो सकते हैं। यह उल्लेख करना जरूरी है कि 2001 में संसद पर हमले के दौरान भी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार सत्ता में थी। इससे देश की सुरक्षा पर कई सवाल खड़े होते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि आज संसद भवन पर हमला करने वाले युवाओं को मैसूरु से लोकसभा सदस्य प्रताप सिन्हा ने पास उपलब्ध कराए थे।

लोकसभा की कार्यवाही के दौरान बुधवार को दर्शक दीर्घा से दो लोग अचानक सदन के भीतर कूद गए और 'केन' के जरिये धुआं फैला दिया। इसके तत्काल बाद दोनों को पकड़ लिया गया। सदन में दोपहर करीब एक बजे शून्यकाल के दौरान यह घटना घटी।

'आप' सरकार चर्चा से बच रही है : भाजपा विधायक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली विधानसभा के इस सप्ताह के अंत में शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों ने बुधवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय राजधानी की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार शहर के लोगों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा से बच रही है।

इन आरोपों पर सत्तारूढ़ पार्टी ने फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। 70 सदस्यीय दिल्ली विधानसभा में भाजपा के आठ विधायक और आप के 62 विधायक हैं। विपक्ष के नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी ने यहां एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि केजरीवाल सरकार ने पिछले चार वर्षों में दिल्ली से संबंधित मुद्दों पर भाजपा विधायकों के नोटिस को मंजूर नहीं किया।

उन्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी के विधायकों ने खराब परिवहन व्यवस्था, किसानों को मुआवजा, यमुना में प्रदूषण, वृद्धावस्था पेंशन और राशन कार्ड जारी न करने जैसे मुद्दों पर बहस के लिए नोटिस दिया है। दिल्ली विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुक्रवार से शुरू होगा। बिधूड़ी ने यह भी आरोप लगाया कि आप ने प्रधानमंत्री, उपराज्यपाल और नौकरशाहों को अपशब्द कहने के लिए मुद्दे उठाने के अलावा विधानसभा में कभी किसी बहस की अनुमति नहीं दी है।

छत्तीसगढ़: शपथ ग्रहण से पहले साय ने अपने निवास और जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के मनोनीत मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोमवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने से पहले रायपुर स्थित अपने निवास तथा जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की और स्वतंत्रता सेनानी शहीद वीर नारायण सिंह तथा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि साय ने पुरैना इलाके में अपने आवास पर अपनी मां जसमनी देवी का आशीर्वाद भी लिया।

राज्य के जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने से पहले साय ने अपने आवास के पूजा घर में देवी-देवताओं का दर्शन किया और पूजा में हिस्सा लिया। साथ ही उन्होंने अपनी माता जसमनी देवी का आशीर्वाद भी लिया। उनके साथ पूजा में उनकी पत्नी कौशल्या देवी ने भी हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि साय ने इससे पहले जगन्नाथ मंदिर में भी भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा जी के दर्शन किये। अधिकारियों ने बताया कि साय ने रायपुर में छत्तीसगढ़ राज्य के लिए उल्लेखनीय योगदान देने वाले दो विभूतियों को नमन किया।

केरल के राज्यपाल ने मुख्यमंत्री व मंत्रियों पर फिर निशाना साधा, कहा : उन्हें कोई शर्म नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/ तिरूवनंतपुरम/भाषा। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने बुधवार को एक बार फिर मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और उनके मंत्रिमंडल पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि ''उन्हें कोई शर्म नहीं है।'' राज्यपाल खान राज्य के कुछ विश्वविद्यालयों के 'सीनेट' में उनके द्वारा किए गए मनोनयन पर वाम सरकार के मंत्रियों की ओर से उनकी कथित आलोचना का जिक्र कर रहे थे। खान पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने कहा, ''उन्हें इसकी चिंता क्यों है कि मैं सीनेट के लिए किसे नामित करता हूं? मुख्यमंत्री और मंत्रियों को तनिक भी शर्म नहीं है। राज्य के वित्त मंत्री आए और एक व्यक्ति को नामित करने का मुझसे अनुरोध किया।'' उन्होंने कहा, इन लोगों (मुख्यमंत्री और मंत्रियों) को किस प्रकार पता चला कि जिन लोगों को मैंने नामित किया है, वे कुलपति द्वारा अनुशंसित सूची से भिन्न थे? उन्होंने (मुख्यमंत्री और मंत्रियों) नामित व्यक्तियों की सूची कुलपति को दी थी ताकि वह सिफारिश मुझसे करें। खान ने कहा कि उन्होंने इस संबंध में जांच के आदेश दिए हैं और अगर पाया गया कुलपति मुख्यमंत्री और मंत्रियों द्वारा प्रस्तावित नामों की सिफारिश कर रहे थे, तो मैं उन कुलपतियों के खिलाफ कार्रवाई करूंगा।'' राज्यपाल ने कहा, कोई मुझे किसी को नामित करने के लिए बाध्य नहीं कर सकता। अगर मेरे पास अधिकार है, तो मैं अपने विवेक का इस्तेमाल करूंगा। मैं आपको (मीडिया को) यह बताने के लिए बाध्य नहीं हूं कि मैंने किस प्रकार अपने विवेक का इस्तेमाल किया।

'आतंकवाद को बढ़ावा देने का दुष्प्रचार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे'

श्रीनगर/भाषा। पुलिस महानिरीक्षक (कश्मीर रेंज) वी.के. बिरदी ने बुधवार को कहा कि पुलिस जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के विमर्श का दुष्प्रचार करने वाले और शांति भंग करने की कोशिश करने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी। गांदरबल जिले में कानून-व्यवस्था की समीक्षा के लिए आयोजित एक बैठक में बिरदी ने कहा, ''पुलिस कड़े कदम उठाएगी और सोशल मीडिया मंचों पर आतंकी विमर्श का दुष्प्रचार करने वाले तथा शांति भंग करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी।''

इंडिगो अयोध्या हवाई अड्डे के लिए उद्घाटन उड़ान का परिचालन करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विमानन कंपनी इंडिगो 30 दिसंबर को राष्ट्रीय राजधानी से अयोध्या हवाई अड्डे के लिए उद्घाटन उड़ान का परिचालन करेगी। कंपनी की वाणिज्यिक सेवाएं छह जनवरी से शुरू होंगी। इंडिगो ने बुधवार को एक बयान में यह जानकारी दी। नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा इस महीने के अंत तक तैयार हो जाएगा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसका उद्घाटन करेंगे।

इंडिगो ने बयान में कहा, ''वह अयोध्या हवाई अड्डे से विमान का परिचालन करने वाली पहली एयरलाइन कंपनी होगी। इसके साथ, अयोध्या एयरलाइन का 86वां घरेलू गंतव्य होगा।'' बयान के अनुसार, ''दिल्ली से उद्घाटन उड़ान 30 दिसंबर, 2023 को अयोध्या पहुंचेगी।

इसके बाद, छह जनवरी, 2024 से दिल्ली और अयोध्या के बीच सीधी उड़ान के लिए वाणिज्यिक परिचालन शुरू होगा। उसके बाद बाद 11 जनवरी, 2024 से अहमदाबाद और अयोध्या के बीच सप्ताह में तीन दिन उड़ानों का परिचालन होगा।''

नाबालिग भाई-बहन के अपहरण के आरोप में दंपति यशवंतपुर रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार

बेंगलूरु। बेंगलूरु से दो नाबालिग भाई-बहनों का अपहरण करने के आरोप में बिहार के एक दंपति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छह साल की एक लड़की और उसके आठ माह के भाई को बचा लिया गया और बाद में उन्हें उनके माता-पिता को सौंप दिया गया। पुलिस ने बताया कि प्रमिला देवी और उसके पति बलराम को यशवंतपुर रेलवे स्टेशन पर दो बच्चों के साथ संदिग्ध हालत में पाये जाने के बाद पकड़ा गया। बेंगलुरु के उपनगर कोडिगेहल्लि से मंगलवार को बच्चों का अपहरण करने के बाद, दंपति उन्हें बिहार में लेकर भागने की साजिश कर रहा था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, पूछताछ के दौरान दंपति ने पुलिस को बताया कि शादी के बाद उनका कोई बच्चा नहीं हुआ और इसलिए उन्होंने इन बच्चों का अपहरण कर उन्हें बिहार में अपने मूल स्थान पर ले जाने की साजिश की। हालांकि, अभी जांच की जा रही है।

परिषद ने कर्नाटक मेडिकल पाठ्यक्रम पूरा करने वाले उम्मीदवारों के लिए अनिवार्य सेवा संशोधन विधेयक पारित किया

सुवर्ण विधान सौधा/बेलगावी। अनुमोदित प्रपत्र में 2023 के कर्नाटक मेडिकल पाठ्यक्रम पूरा करने वाले उम्मीदवारों के लिए अनिवार्य सेवा (संशोधन) विधेयक 13 दिसंबर को विधान परिषद में पारित किया गया था। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडुराव ने विधेयक पर परामर्श लेने के लिए कहा। तदनुसार, अध्यक्ष बसवराज होराट्टी ने विधेयक पर चर्चा की अनुमति दी। चर्चा के बाद स्पीकर ने बिल को वोटिंग के लिए रखा। सदन के सदस्यों ने विधेयक पर सहमति जताई। स्वास्थ्य मंत्री गुंडूराव द्वारा विधेयक को पारित करने के लिए कहने के बाद अध्यक्ष ने घोषणा की कि विधेयक पारित हो गया है।

तीन साल की बच्ची से बलात्कार के प्रयास के आरोप में कर्नाटक का एक व्यक्ति गिरफ्तार

मंड्या। कर्नाटक पुलिस ने बुधवार को मंड्या जिले में तीन साल की एक बच्ची से बलात्कार के प्रयास के आरोप में 55 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान शिवन्ना के रूप में हुई है, जो कथित तौर पर बच्ची को पड़ोसी के घर से अपने घर ले गया। दरवाजा बंद करने के बाद उसने बच्ची के कपड़े उतार दिए। उसकी चीख सुनकर पड़ोसियों को संदेह हुआ और वे तुरंत आरोपी के घर पहुंचे। उन्होंने दरवाजा तोड़ दिया और बच्ची को सफलतापूर्वक बचा लिया, जबकि आरोपी पिछले दरवाजे से भागने में सफल रहा। बच्ची के माता-पिता ने केआरएस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। इसके बाद, पुलिस ने तलाश शुरू की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आगे की जांच चल रही है।

व्यक्ति ने पत्नी को दोस्त के साथ रात बिताने को किया मजबूर, केस दर्ज

बेंगलूरु। एक व्यक्ति पर अपनी पत्नी को अपने दोस्त के साथ रात बिताने के लिए मजबूर करने का मामला सामने आया है। इस मामले को लेकर महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। अपनी शिकायत में पीड़िता ने आरोप लगाया कि इस घटना को लेकर उसके पति ने उसे प्रताड़ित किया और उसके साथ मारपीट की। शिकायत के बाद बसवनगुडी महिला पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की और जांच शुरू की। महिला ने पुलिस को बताया कि आरोपी उस पर दोस्त के साथ रात गुजारने का दबाव बना रहा था। बसवनगुड़ी इलाके के रहने वाले आरोपी ने एक साल पहले पीड़िता से शादी की थी।

पुलिस को दुष्कर्म पीड़िता को गर्भपात का विकल्प बताना चाहिए : कर्नाटक उच्च न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने एक दुष्कर्म पीड़िता को 24 सप्ताह का गर्भ नष्ट करने की अनुमति देते हुए निर्देश दिया है कि पुलिस को अपने-अपने न्यायाधिकार क्षेत्र में पीड़ितों को गर्भपात के उपलब्ध विकल्प के बारे में बताना चाहिए ताकि पीड़ितों को अधिक समय के गर्भ को नष्ट करने के लिए अदालत का रुख नहीं करना पड़ा।

अदालत ने यह निर्देश 17 वर्षीय पीड़िता के पिता की ओर से दायर याचिका पर दिया जिन्होंने दुष्कर्म की शिकार बेटी का गर्भपात कराने की अनुमति देने का आग्रह किया था। पीड़िता भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (बलात्कार) और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत हुए अपराध की शिकार है। दुष्कर्म की वजह से पीड़िता गर्भवती हो गई। वह वर्तमान में 24 सप्ताह से गर्भवती है। याचिका में दावा किया गया कि पीड़िता बच्चे को जन्म नहीं देना चाहती और चिकित्सीय गर्भपात कराने का अनुरोध किया गया है। न्यायमूर्ति सूरज गोविंदराज ने 11 दिसंबर को दिए आदेश में कहा कि ऐसी परिस्थिति उत्पन्न नहीं होती यदि यह फैसला (गर्भपात का) पहले ही ले लिया जाता और तब याचिकाकर्ता को इस अदालत का रुख करने की भी कोई आवश्यकता नहीं होती। अदालत ने कहा इसलिए गृह विभाग के प्रधान सचिव को निर्देश दिया जाता है कि वह सभी जांच अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करें कि जरूरत होने पर गर्भ को चिकित्सकीय तरीके से नष्ट करने के विकल्प की उपलब्धता, इसके लिए अपनाई जाने वाली आवश्यक प्रक्रिया पीड़िता और/या जैविक अभिभावक को बताएं।

घनखड़ ने छात्रों की आत्महत्या के बढ़ते मामलों पर जताई चिंता, राज्यसभा में चर्चा कराने की वकालत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने प्रतियोगी परीक्षाओं के तनाव के कारण छात्रों की आत्महत्या के बढ़ते मामलों का बुधवार को संज्ञान लिया और उच्च सदन के सदस्यों को इस मुद्दे पर चर्चा का प्रस्ताव देने के लिए कहा। राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान सदस्यों ने प्रतियोगी परीक्षाओं के कारण छात्रों की आत्महत्या पर पांच पूरक प्रश्न पूछे।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सभी पूरक प्रश्नों के जवाब दिए, लेकिन सदस्यों ने इस मुद्दे पर अपनी चिंता व्यक्त करना जारी रखा। इस मुद्दे की गंभीरता का संज्ञान लेते हुए धनखड़ ने कहा, ''मैं सदस्यों से अपील करता हूं कि यह एक ऐसा मुद्दा है (जिसमें) हमें खुद को शामिल करना चाहिए। हम बड़ा योगदान दे सकते हैं।'' उन्होंने एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने का सुझाव दिया जहां छात्रों की आत्महत्या को कम किया जा सके और इसे शून्य पर लाया जा सके। उन्होंने कहा, ''हर किसी को योगदान देना होता है। मैं इस मुद्दे पर चर्चा कराने को तैयार हूं।''

इससे पहले, तारांकित प्रश्नों का सदन में जवाब देते हुए प्रधान ने सदन को बताया कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार, 2022 में 1,70,924 (1.70 लाख) आत्महत्याएं हुईं और इनमें से 2,051 या 1.2 प्रतिशत छात्रों ने परीक्षा में फेल होने के कारण आत्महत्या की। उन्होंने कहा, ''मैं इसकी (छात्रों की आत्महत्या) जिम्मेदारी लेता हूं। यह शून्य होना चाहिए।'' शिवसेना सदस्य प्रियंका चतुर्वेदी ने एक पूरक प्रश्न में पूछा कि यह देखते हुए कि पिछले एक दशक में आत्महत्या करने वाले छात्रों की संख्या में 70 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, सरकार कोई 'डेटा-बिल्डिंग सिस्टम' तैयार करने की योजना बना रही है? प्रधान ने 2022 के एनसीआरबी आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि उनके सामने ऐसा कोई तथ्य नहीं है। चतुर्वेदी ने कहा कि उन्होंने 'पूरी जिम्मेदारी' के साथ सदन में डेटा रखा है।

इस मुद्दे पर कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि शिक्षा मंत्रालय ने राज्यसभा में जवाब दिया था कि 2018 से 2021 तक केंद्रीय विश्वविद्यालयों, आईआईटी और आईआईएम में अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदायों के कम से कम 15 छात्रों ने आत्महत्या की है।

सरकार हुब्बल्ली और बेलगावी हवाई अड्डों का नाम बदलने पर कर रही विचार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। कर्नाटक सरकार के मंत्री एम बी पाटिल ने बुधवार को विधानसभा को बताया कि राज्य सरकार हुबली हवाई अड्डे का नाम क्रांतिवीर संगोल्ली रायन्ना और बेलगावी हवाई अड्डे का वीर रानी कित्तूर चेन्नम्मा के नाम पर रखने संबंधी मांग के संबंध में विचार कर रही है। बेलगावी जिले के तत्कालीन कित्तूर रियासत की रानी चेन्नम्मा (1778-1829) ने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। उन्हें कर्नाटक में एक लोक नायिका के रूप में याद किया जाता है।

संगोल्ली रायन्ना (1798-1831) रानी चेन्नम्मा शासित तत्कालीन कित्तूर साम्राज्य के सेना प्रमुख थे और उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। अंग्रेजों ने रायन्ना को 1831 में बेलगावी जिले के नंदगढ़ के पास बरगद के पेड़ पर फांसी दे दी थी। पाटिल ने कहा कि वह हवाई अड्डों के नाम बदलने के मुद्दे पर राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों से एक प्रस्ताव पारित करने के बारे में मुख्यमंत्री सिद्दरामैया के साथ चर्चा करेंगे। शून्यकाल के दौरान कांग्रेस विधायक एन एच कोनारेड्डी और श्रीनिवास माने द्वारा उठाए गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए पाटिल ने कहा, पिछले कुछ समय से मांग की जा रही है और विभिन्न संगठनों द्वारा सरकार को हुबली हवाई अड्डे का नाम क्रांतिवीर संगोल्ली रायन्ना और बेलगावी हवाई अड्डे का वीर रानी कित्तूर चेन्नम्मा के नाम पर रखने की मांग की गई है।

उन्होंने कहा कि हवाई अड्डे का नाम उस शहर के नाम पर रखने की परंपरा रही है, जहां इसे बनाया गया है। मंत्री ने कहा कि इस तरह का नाम बदलना केंद्र सरकार के नागर विमानन मंत्रालय के दायरे में आता है। मंत्री ने कहा कि अगर राज्य सरकार राज्य में किसी हवाई अड्डे का नाम बदलना चाहती है, तो इस आशय का एक प्रस्ताव राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों में पेश और पारित करना होगा और प्रस्ताव केंद्र को भेजना होगा।

सरकार बेलगाम में एक अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम बनाने के लिए तैयार : मंत्री बी नागेंद्र

सुवर्ण विधान सौधा/बेलगावी। अनुसूचित जनजाति कल्याण, युवा अधिकारिता और खेल मंत्री बी. नागेंद्र ने कहा कि सरकार बेलगाम तालुक के यल्लूर गांव के पास सरकारी भूमि पर एक सुसज्जित अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम बनाने के लिए तैयार है। बुधवार को बेलगाम के शीतकालीन सत्र में विधानसभा के प्रश्नोत्तरी सत्र के दौरान विधायक अभय पाटिल ने ध्यान केन्द्रित सवालजवाब में यह बात कही। केंद्र सरकार द्वारा दिये जाने वाले अनुदान के साथ-साथ राज्य सरकार को भी अनुदान देकर स्टेडियम बनाने में कोई बाधा नहीं है। खेल विभाग ने यल्लूर गांव की आरएस नंबर 1142 की 66 एकड़ जमीन में से 40 एकड़ जमीन सौंप दी है। पार्किंग सहित एक सुसज्जित स्टेडियम बनाने के लिए कम से कम 55 एकड़ भूमि की आवश्यकता होती है। भूमि हस्तांतरण प्रक्रिया के लिए जिलाधिकारी के नेतृत्व में 11 अधिकारियों की कमेटी पहले ही गठित की जा चुकी है। मंत्री बी नागेंद्र ने कहा कि यदि स्थानीय विधायक आवश्यक 15 एकड़ जमीन मुहैया करा दें तो जल्द ही स्टेडियम निर्माण की योजना तैयार कर ली जायेगी। सरकारी जमीन पर बने स्कूल और सरकारी योजनाओं के तहत गरीबों को बांटे गए मकानों के अलावा बाकी खाली जमीन खेल विभाग को सौंपी जाएगी। विधायक अभय पाटिल ने कहा कि लोगों को इससे कोई विरोध नहीं है। एक माह के भीतर छात्रावास की मंजूरी : मंत्री बी. नागेंद्र ने विधायक सरथ बच्चेगौड़ा के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि यदि होसकोटे में मैट्रिक के बाद अनुसूचित कक्षाओं के लिए छात्रावास के निर्माण के लिए आवश्यक 10000 वर्ग फुट जगह उपलब्ध करा दी जाती है, एक महीने के अंदर ही सरकार छात्रावास के निर्माण के लिए मंजूरी दे देंगे।

सार्वजनिक उद्यम समिति रिपोर्ट की प्रस्तुति

सुवर्ण विधान सौधा/बेलगावी। विधान सभा में भारत के महालेखा परीक्षक और महालेखा परीक्षक, ग्रामीण विकास और पंचायत राज विभाग की निष्पादन लेखापरीक्षा समिति की सिफारिशों सहित सार्वजनिक उद्यमों पर समिति की 136वीं बैठक बुधवार को रिपोर्ट सदन के सामने पेश की गई।

बाल विवाह पर नियंत्रण के लिए सख्त कानूनी कार्रवाई : लक्ष्मी हेब्बालकर

सुवर्ण विधान सौधा/बेलगावी। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी आर हेब्बालकर ने कहा कि यादगिरी समेत राज्य के किसी भी हिस्से में बाल विवाह होने से रोकने के लिए कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विधानसभा में विधायक शरणगौड़ा कंडाकुरा के सवाल का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि प्रतिबंधित बाल विवाह के मामले में शामिल किसी भी व्यक्ति को बचाने का कोई तरीका नहीं है। उन्होंने कहा कि दोषियों को बिना किसी बहाने के सजा दी जाएगी। यादगिरी जिले में 2020-2021 में 1, 2021-22 में 9 और 2022-23 में 2 मामले दर्ज किए गए। इस संबंध में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और अदालत में मुकदमा चल रहा है। बाल विवाह समाज के लिए अभिशाप बन गया है। जनता को बाल विवाह के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक होना चाहिए्। उन्होंने सलाह दी कि कानूनी उपायों का पालन किया जाना चाहिए। राज्य में बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए विभिन्न विभाग कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग, बाल संरक्षण निदेशालय, शिक्षा विभाग, पुलिस विभाग, श्रम विभाग और अन्य संबंधित विभाग, राज्य अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो, बाल विवाह निषेध प्रकोष्ठ आदि जुड़े हुए हैं।

छात्रों के वजीफे के भुगतान के लिए बजट में 105 करोड़ का आवंटन : शिवराज तंगाड़ी

सुवर्ण विधान सौधा/बेलगावी। वर्ष 2023-24 के लिए प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति कार्यक्रम के लिए केंद्र का हिस्सा 40 करोड़ रुपये और राज्य का हिस्सा 65 करोड़ रुपये है। कुल 105 करोड़ रु. बजट में अनुदान तय होता है। पिछड़ा वर्ग कल्याण और कन्नड़ एवं संस्कृति विभाग के मंत्री शिवराज तंगाड़ी ने कहा कि दिशानिर्देशों के अनुसार पात्र छात्रों को छात्रवृत्ति का भुगतान करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। विधायक तम्मैया एचडी के एक सवाल का जवाब देते हुए शिवराज ने कहा कि वर्ष 2023-24 के लिए उपलब्ध अनुदान के अनुसार पात्र 9वीं और 10वीं कक्षा के छात्रों को छात्रवृत्ति का भुगतान किया जा रहा है।

अनुदान जारी करने की कार्यवाही : पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के अंतर्गत छात्रावासों के भवन रखरखाव हेतु आवश्यकतानुसार अनुदान जारी किया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि विभिन्न कार्यों के लिए अनुदान जारी करने के प्रस्तावों की समीक्षा की जाएगी और अनुदान की उपलब्धता के आधार पर धनराशि जारी करने की कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने विधायक एसएन नारायणस्वामी के सवाल के जवाब में कहा कि वर्ष 2023-24 में विभाग के कुल 1203 छात्रावास भवन मरम्मत कार्य 150 करोड़ की लागत से कराये जाने की मंजूरी दी गयी है।

2,73,778 एकड़ सरकारी जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया : कृष्णा बैरेगौड़ा

सुवर्ण विधान सौधा/बेलगावी। राजस्व मंत्री कृष्णा बैरेगौड़ा ने कहा कि राज्य भर में 2,73,778 एकड़ सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त करा लिया गया है और राज्य भर में अतिक्रमण हटाने का अभियान जारी रहेगा। बुधवार को विधान परिषद में सदस्य डॉ. वाई.ए. थिप्पेस्वामी के एक ध्यानार्कषण प्रश्न के जबाव में उन्होंने कहा कि राज्य भर में कुल 63,32,486 एकड़/गुंटे सरकारी भूमि है, जिसमें से 14,72,493 एकड़/गुंटे सरकारी भूमि पर अतिक्रमण है। विभिन्न अदालतों में लंबित मामलों के अलावा, अवैध योजना और सार्वजनिक उद्देश्यों के लिए उपयोग की जाने वाली कुल 10,82,752 एकड़ प्रति एकड़ भूमि में से 3,89,741 एकड़ प्रति एकड़ भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया जाना है। जिसमें से 2,73,778 एकड़ / सरकारी जमीन को जबरन खाली कराया गया है। उन्होंने कहा कि शेष 1,15,963 एकड़/हंटे भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया जाना लंबित है। अक्टूबर-2023 के अंत तक कर्नाटक भूमि हड़प निषेध विशेष न्यायालय में कुल 21,712 मामले दायर और निपटाए गए हैं। जिनमें से 16,205 मामलों का निपटारा किया जा चुका है और 5,507 मामले लंबित हैं। कर्नाटक भूमि कब्जा निषेध विशेष अदालत में विभिन्न मामलों में अब तक 75 लोगों को एक साल तक की सजा और जुर्माना लगाया गया है।

मंदिर प्रबंधन समिति में विश्वकर्मा समाज के लोगों को मौका : रामलिंगारेड्डी

सुवर्ण विधान सौधा/बेलगावी। पिछले सत्र में दिए गए आश्वासन के अनुसार, मंदिर प्रबंधन समिति में से एक ने कर्नाटक हिंदू धार्मिक संस्थानों और धर्मार्थ बंदोबस्ती की धारा 25 में आवश्यक संशोधन करने के लिए एक मसौदा संशोधन विधेयक तैयार किया है। मुजराई मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा कि (संशोधन) अधिनियम, 2011 विश्वकर्मा समुदाय के सदस्यों को अनुमति देने के लिए है। जिसके लिए कानून विभाग के साथ परामर्श किया जा रहा है।

वे बुधवार को विधान परिषद में सदस्य डॉ. के.पी. नजुंडी के ध्यानाकर्षण प्रश्न का जबाव दे रहे थे। उन्होंने कहा कि कर्नाटक हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती अधिनियम 1997 की धारा 25 के तहत किसी मंदिर के संबंध में मुख्य पुजारी या पुजारी प्रबंधन समिति के सदस्य के रूप में ले सकता है। अधिसूचित संस्थानों के लिए एक प्रबंधन समिति, जैसा भी मामला हो, राज्य धार्मिक या जिला धार्मिक परिषद द्वारा अधिनियम की धारा 25 के तहत नियुक्त की जाती है। प्रबंधन समिति के सदस्यों की नियुक्ति उपरोक्त निर्धारित आरक्षण के आधार पर की जायेगी। मंदिरों की प्रबंधन समिति के एक सदस्य ने बताया कि विश्वकर्मा जाति के सदस्यों को अनुमति देने के बारे में कानून विभाग से परामर्श किया जा रहा है।

बेलगावी में राज्य सरकार के खिलाफ भारी विरोध प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। भारतीय जनता पार्टी की ओर से बुधवार को बेलगाम में राज्य सरकार के खिलाफ बड़ा विरोध प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कहा कि राज्य सरकार आए 6 महीने हो गए हैं। भीषण सूखे के बावजूद कांग्रेस सरकार ने लोगों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। 14 बजट पेश करने वाले सिद्दरामैया ने इस बात पर नाराजगी जताई कि उन्होंने किसानों की समस्याओं पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

मुख्यमंत्री ने अल्पसंख्यकों के लिए 10 हजार करोड़ का ऐलान किया लेकिन किसानों की बात नहीं की। गन्ना किसानों सहित सभी किसानों को मुआवजा दिया जाए। हालांकि, उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि सरकार आंखें होते हुए भी अंधों की तरह काम कर रही है। येडीयुरप्पा ने सोने की इमारत बनवाई थी। उन्हें यहां की समस्याओं के समाधान की उम्मीद थी। उन्होंने कहा, लेकिन सिद्दरामैया ने किसानों की उपेक्षा की है। प्रदेश के कांग्रेसी केंद्र सरकार पर आरोप लगा रहे हैं। किसानों का कर्ज माफ किया जाए। उनकी मांग थी कि नए कर्ज दिए जाएं और कर्ज वसूली बंद की जाए। उन्होंने कहा कि इस सरकार को कोसने का काम जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि अगले लोकसभा चुनाव में बीजेपी-जेडीएस मिलकर सभी 28 सीटों पर जीत हासिल करनी होगी। भाजपा केंद्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येडीयुरप्पा ने कहा कि पंचायत चुनाव के नतीजों ने कांग्रेस को पर्याप्त जवाब दिया है, जो धन, महिला और हथियार बल के साथ सत्ता में आने के भ्रम में थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में नरेंद्र मोदी जैसा कोई नेता नहीं है। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने बात की और सवाल किया कि बेलगाम में सत्र आयोजित होने के बावजूद सिद्दरामैया ने उत्तरी कर्नाटक के लिए कितना पैसा जारी किया है। उन्होंने मुल्लाओं को दस हजार करोड़ देने की बात कहने पर मुख्यमंत्री की आलोचना की।

इस मौके पर पूर्व उपमुख्यमंत्री गोविन्द कारजोल, पूर्व उपमुख्यमंत्री के.एस. ईश्वरप्पा, पूर्व मंत्री शशिकला जोले, बी. श्रीरामुलू, अरागा ज्ञानेन्द्र, सुनीलकुमार, कोटा श्रीनिवास पुजारी, पार्टी सांसद, पूर्व मंत्री, विधायक, पूर्व विधायक, जिला अध्यक्ष, पार्टी प्रदेश, जिला पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए।

मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत बेंगलूरु में बहुमंजिला आवास के लिए 57809 आवेदन प्राप्त : जमीर अहमद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सुवर्ण विधान सौधा/बेलगावी। आवास, वक्फ और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री बी.जेड जमीर अहमद खान ने कहा कि मुख्यमंत्री एक लाख बहुमंजिला बेंगलूरु आवास योजना के तहत 23 नवम्बर तक 57809 आवेदन ऑनलाइन प्राप्त हुए हैं। उन्होंने बुधवार को

विधान परिषद में सदस्य अब्दुल जब्बार के ध्यानाकर्षण प्रश्न के पूछे गए सवाल का जवाब दिया। मुख्यमंत्री एक लाख बहुमंजिला बेंगलूरु आवास योजना के तहत आवेदन करने वाले लाभार्थियों को प्रारंभिक जमा राशि का भुगतान करने के बाद ऑनलाइन अपने फ्लैट चुनने का अवसर दिया गया है। तदनुसार, 11,568 लाभार्थियों ने प्रारंभिक जमा राशि का भुगतान करने के बाद फ्लैट का विकल्प चुना है।

यह परियोजना केवल बेंगलूरु शहर जिले में कार्यान्वित की जा रही है और इस परियोजना के तहत पूर्ण किए गए कुल 1150 भूखंडों के लिए अलग से ई-खाता प्राप्त करने की प्रक्रिया प्रगति पर है। मंत्री ने बताया कि जिन भूखंडों के लाभार्थियों को ई-खाता प्राप्त हो चुका है, उन्हें शेष राशि का भुगतान करने के लिए एक मांग पत्र भेजा गया है, और लाभार्थियों द्वारा पूरी राशि का भुगतान करने के बाद, भूखंडों का पंजीकरण किया जाएगा और लाभार्थियों को सौंप दिया जाएगा।

चालू वर्ष में राज्य में 3 लाख आवास निर्माण का लक्ष्य

सुवर्ण विधान सौधा/बेलगावी। आवास, वक्फ और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री बी.जेड. जमीर अहमद खान ने गुरुवार को विधान परिषद में कहा कि राज्य में विभिन्न आवास परियोजनाओं के तहत, पहले चरण में प्रगति पर चल रहे घरों सहित, वित्तीय वर्ष 2023-24 में 3 लाख घरों को पूरा करने का लक्ष्य है, और 2028 तक 1,12,891 घर पूरे हो जाएंगे।

गुरुवार को विधानपरिषद के सदस्य सुनील गौड़ा के ध्यानाकर्षण सवाल के जवाल में उन्होंने कहा कि वर्तमान में राज्य में 18,92,756 बेघर लोग और 7,13,950 भूमिहीन लोग हैं। आवासहीन परिवारों को आवास उपलब्ध कराने हेतु शासन द्वारा विभिन्न आवास योजनाओं के अंतर्गत ग्राम पंचायत/शहरी स्थानीय निकायों को लक्ष्य आवंटित कर पात्र हितग्राहियों को आवास उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने कहा कि 2020-21 से 2022-23 तक विभिन्न आवास योजनाओं के तहत कुल 6,35,412 मकान आवंटित किए गए हैं और अब तक 4,07,923 मकान स्वीकृत किए जा चुके हैं।

विरोध प्रदर्शन

बेंगलूरु में बुधवार को फ्रीडम पार्क में कर्नाटक राज्य सरकार में कांग्रेस पार्टी की विफलता की निंदा करते हुए भारतीय जनता पार्टी ने एक बड़ा विरोध प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन में बीजेपी के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव सीटी रवि, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष बी. नारायण गौड़ा, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष गीता विवेकानन्द एवं पार्टी के अनेक नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बीएचईएल ने गवर्नेंस नाउ पीएसयू आईटी पुरस्कार 2023 जीते

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में समर्पित नवाचार और उत्कृष्टता के लिए, बीएचईएल को वर्ष 2023 के लिए तीन गवर्नेंस नाउ पीएसयू आईटी पुरस्कारों का विजेता चुना गया है। गवर्नेंस नाउ पीएसयू आईटी पुरस्कार आईटी में सार्वजानिक उपक्रमों के प्रयासों और उत्कृष्टता का सम्मान करने के लिए दिए जाते हैं। कंपनी को एक स्वतंत्र जूरी द्वारा सर्वसम्मति से साइबर सुरक्षा और डेटा संरक्षण, आईटी नवाचार और सॉफ्टवेयर विकास एवं उत्कृष्टता की श्रेणियों में पुरस्कार के लिए चुना गया। यह पुरस्कार निदेशक (ई, आर एंड डी) और निदेशक (वित्त) - अतिरिक्त प्रभार जे.पी. श्रीवास्तव ने कंपनी के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में उत्तर प्रदेश के पूर्व डीजीपी डॉ. विक्रम सिंह से प्राप्त किए।

अंतरराज्यीय अवैध शराब गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक के मंगलूरु में आबकारी विभाग के अधिकारियों ने एक अंतरराज्यीय अवैध शराब गिरोह का भंडाफोड़ किया है और केरल की सीमा से लगे तलपड़ी के पास से तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

आबकारी विभाग के उपायुक्त टी.एम. श्रीनिवास के नेतृत्व में की गई छापेमारी में अधिकारियों ने दक्षिण कन्नड जिले की किनया पंचायत सीमा के सांत्या में एक घर से 2,240 लीटर स्प्रिट, 222 लीटर नकली ब्रांडी और उन्हें पैक करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक मशीन जब्त की है। विभाग के सूत्रों ने बुधवार को बताया कि एक अलग कार्रवाई में तलपडी मस्जिद के पास एक घर से 210 लीटर स्प्रिट, 20 लीटर नकली ब्रांडी, 2.24 लीटर नकली महंगी शराब और 70 लीटर स्प्रिट ले जा रही एक इनोवा कार जब्त की गई। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान तलपडी के सतीश, कुंजातुर के निवासी नौशाद एवं आसिफ के रूप में हुई है। कार्रवाई के दौरान एक अन्य आरोपी नित्यानंद भंडारी भागने में कामयाब रहा। सूत्रों ने बताया कि आबकारी विभाग की टीम इस गिरोह में शामिल सभी लोगों की पहचान करने में जुटी है।

'फसलों में पीली पत्ती और पत्ती धब्बा रोगों की रोकथाम के लिए उचित उपाय'

सुवर्ण विधान सौधा/बेलगावी। विधायक अरागा ज्ञानेंद्र ने विधानसभा में शून्यकाल में कहा कि कुछ महीनों से एक नई बीमारी में देखी गई है। मूंगफली की फसल, जो पहाड़ी और तटीय क्षेत्रों में एक महत्वपूर्ण फसल है, पीली पत्ती रोग और पत्ती धब्बा से पीड़ित है। उन्होंने इस संबंध में सरकार को प्रार्थना पत्र दिया और कहा कि सरकार शोध के लिए जो अनुदान देती है वह कम है और उन्हें अधिक अनुदान देना चाहिए और इस बीमारी को खत्म करने के लिए कार्रवाई करनी चाहिए।

मुख्यमंत्री का शपथग्रहण समारोह कल अल्बर्ट हॉल में आयोजित होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मनोनीत मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और मनोनीत उपमुख्यमंत्रियों -दिया कुमारी तथा प्रेम चंद बैरवा- का शपथ ग्रहण समारोह 15 दिसंबर को आयोजित किया जायेगा। भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता ने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह 15 दिसंबर को सुबह 11.15 बजे अल्बर्ट हॉल के बाहर आयोजित किया जायेगा ।

तीनों पर्यवेक्षकों - राजनाथ सिंह, सरोज पांडे और विनोद तावड़े - की मौजूदगी में पार्टी कार्यालय में मंगलवार शाम हुई भाजपा विधायक दल की बैठक में पहली बार विधायक बने भजन लाल शर्मा को मुख्यमंत्री मनोनीत किया गया है। वहीं, विद्याधर नगर की विधायक दिया कुमारी और दूदू विधायक प्रेम चंद बैरवा को उपमुख्यमंत्री पद के लिये नामित किया गया है।

फ्लैट से गेस्ट हाउस में शिफ्ट हुए नए मुख्यमंत्री, शपथ के बाद जाएंगे मुख्यमंत्री आवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। निर्वाचित मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 15 दिसंबर को सिविल लाइंस स्थित मुख्यमंत्री आवास में शिफ्ट हो जाएंगे। अभी वे जयपुर में जवाहर सर्किल पर स्थित एक बहुमंजिला इमारत में सातवीं मंजिल पर रह रहे थे। मंगलवार देर रात उन्हें सुरक्षा कारणों के चलते एक गेस्ट हाऊस में शिफ्ट कर दिया गया। सिविल लाइंस स्थित मुख्यमंत्री आवास में शिफ्ट होने तक भजनलाल शर्मा और उनका परिवार इसी गेस्ट हाउस में रहेंगे। जयपुर में सिविल लाइंस में मुख्यमंत्री का आधिकारिक आवास है और निवर्तमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत वहीं रह रहे थे। आठ सिविल लाइंस के नाम से प्रसिद्ध इस मुख्यमंत्री निवास में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे अपने पहले कार्यकाल में तो रही थी लेकिन अपने दूसरे कार्यकाल में उन्होंने इसे अपना सरकारी निवास नहीं बनाया था। पहले कार्यकाल के बाद उन्हें पूर्व मुख्यमंत्री के रूप में सिविल लाइंस में ही 13 नंबर का बंगला आवंटित कर दिया गया था और इस बंगले में उन्होंने अपनी रुचि के अनुसार काफी बदलाव कर दिए थे। फिर 2013 में जब भी वापस सत्ता में लौटी तो उन्होंने 13 सिविल लाइंस को ही अपना सरकारी निवास बना दिया और यहीं रहते हुए मुख्यमंत्री का कार्यकाल पूरा किया। इसके बाद 2018 में जब अशोक गहलोत फिर से मुख्यमंत्री बने तो वे यहां शिफ्ट हुए और मुख्यमंत्री निवास की रौनक लौटी। अब भजन लाल शर्मा इस आधिकारिक मुख्यमंत्री निवास में जाएंगे, क्योंकि जयपुर में उनके पास अभी सिर्फ एक फ्लैट ही है।

चुनाव के समय उनकी ओर से दाखिल किए गए शपथ पत्र के अनुसार भजनलाल शर्मा के पास खेती की जमीन के साथ ही भरतपुर में मकान और जयपुर में फ्लैट है। इसके साथ ही उन पर करीब 35 लाख रुपए का कर्जा भी है। शपथ पत्र के अनुसार भजनलाल शर्मा के पास 1,46,56,666 रुपए की संपत्ति है, जबकि देनदारी 35 लाख रुपए है। कीमती धातु की बात करें तो भजनलाल शर्मा के पास करीब तीन तोला सोना है, जिसकी कीमत 1,80,000 रुपए बताई गई है। उन्होंने शेयर और बॉन्ड में कोई निवेश नहीं किया है. हालांकि, भजनलाल के पास एलआईसी और एचडीएफसी की दो इंश्योरेंस पॉलिसी हैं। भजनलाल शर्मा के पास एक टाटा सफारी गाड़ी है, जिसकी कीमत पांच लाख रुपए बताई गई है।

राज्यपाल मिश्र से भारतीय पुलिस सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों ने मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र से बुधवार को भारतीय पुलिस सेवा के 75 आर आर बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों ने मुलाकात की। राज्यपाल श्री मिश्र ने इन अधिकारियों को राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता रखते हुए ईमानदारी और निष्ठा से कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने पुलिस सेवा में कानून व्यवस्था की सभी स्तरों पर पालना करवाने के साथ अपराध नियंत्रण के लिए सदा सजग रहते हुए कार्य करने पर भी जोर दिया। राज्यपाल ने प्रशिक्षु अधिकारियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दी।

सांसद रह चुकी दिया कुमारी सामाजिक संगठनों से भी जुड़ी रहीं, दलित नेता के रूप में है बैरवा की पहचान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री घोषित की गईं जयपुर के पूर्व राजपरिवार की सदस्य दिया कुमारी दो बार विधायक और एक बार सांसद रह चुकी हैं। दिया कुमारी को मंगलवार को राजस्थान की नई उपमुख्यमंत्री घोषित किया गया। उनके साथ ही प्रेमचंद बैरवा भी राजस्थान के उपमुख्यमंत्री होंगे जबकि भजनलाल शर्मा राज्य के नए मुख्यमंत्री होंगे। दिया कुमारी राजसमंद से भाजपा की सांसद थीं और उन्हें विधानसभा चुनाव में जयपुर की विद्याधर नगर सीट से मैदान में उतारा गया था।

कुमारी 2013 में सवाई माधोपुर विधानसभा सीट से पहली बार विधायक बनीं। 2019 के लोकसभा चुनाव में वह राजसमंद निर्वाचन क्षेत्र से सांसद चुनी गईं। 51 वर्षीय दिया कुमारी जयपुर के पूर्व राजपरिवार के सवाई भवानी सिंह की बेटी हैं। भवानी सिंह ने 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में 10वीं पैराशूट रेजिमेंट के पैरा कमांडो के लेफ्टिनेंट कर्नल और कमांडिंग ऑफिसर के रूप में गौरव हासिल किया था। दिया कुमारी कई स्वयंसेवी संगठनों और सामाजिक संगठनों से जुड़ी हुई हैं। वहीं, राजस्थान के नए उपमुख्यमंत्री घोषित किए गए प्रेम चंद बैरवा (54) दूदू विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के विधायक हैं। उन्हें पार्टी की राजस्थान इकाई के दलित चेहरे के रूप में देखा जाता है। बैरवा राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर से पीएचडी डिग्री धारक हैं।

इस विधानसभा चुनाव में उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार बाबूलाल नागर को 35,743 वोटों के अंतर से हराया है। भाजपा विधायक दल की बैठक में विधायक वासुदेव देवनानी को राज्य विधानसभा का अध्यक्ष घोषित किया गया। अजमेर उत्तर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले देवनानी पूर्व मंत्री हैं। वह इंजीनियरिंग स्नातक हैं और राजनीति में प्रवेश करने से पहले वह उदयपुर में सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज में व्याख्याता थे। 30 साल का शिक्षण अनुभव रखने वाले 73 वर्षीय नेता 1968 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) में शामिल हुए और कई पदों पर रहे। वह 2003 में पहली बार अजमेर पश्चिम सीट से विधायक चुने गए। वह 2008 से 13 तक और फिर 2013 से 2018 तक अजमेर उत्तर से विधायक रहे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े देवनानी 2014 से 2018 तक प्राथमिक, माध्यमिक शिक्षा और भाषा विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) थे। शिक्षा राज्य मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान, महाराणा प्रताप, वी.डी. सावरकर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, सरदार पटेल और एपीजे अब्दुल कलाम जैसी हस्तियों को शामिल करने के लिए स्कूल पाठ्यक्रम में बदलाव किए गए।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के भविष्य को लेकर अटकलें

जयपुर। प्रदेश में भजनलाल शर्मा के नए मुख्यमंत्री बनने के बाद अब पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा की कद्दावर नेता वसुंधरा राजे के भविष्य को लेकर अटकलें चालू हो गई है। वसुंधरा समर्थकों का मानना है कि भाजपा में उनका बड़ा कद है। इस तथ्य से भाजपा के बड़े नेता भी वाकिफ हैं। पिछले दिनों हुए विधानसभा के चुनावों में पार्टी को जीत दिलाने में उनकी अहम भूमिका रही है। उनके तीन दर्जन से ज्यादा समर्थक जीत कर भी आए हैं। वसुंधरा राजे मुख्यमंत्री की प्रबल दावेदार थीं। दो बार मुख्यमंत्री, पांच बार सांसद और पांच बार विधायक रहीं वसुंधरा राजे, केन्द्र में मंत्री और भाजपा संगठन में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तक के पद का सफर करने वाली वसुंधरा राजे को नजर अंदाज करना आसान नहीं है। नए मुख्यमंत्री के लिए उनको राजी करने के लिए केन्द्रीय नेतृत्व ने उनको कोई न कोई संकेत जरूर दिए हैं। अगर वसुंधरा राजे लोकसभा का चुनाव लड़ाया जाता है, तो उनको झालरापाटन सीट से विधायक पद छोड़ना होगा, उनके स्थान पर उनके सांसद पुत्र दुष्यंत को वहां से विधायक बनने का मौका दिया सकता है। उनके समर्थकों का मानना है कि पार्टी के लिए जिस वफादारी से वह काम करती है, वह कतई घर में बैठने वाली नहीं है।

नगरीय निकायों एवं पंचायतीराज संस्थाओं में उपचुनाव जनवरी में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में नगरीय निकायों एवं पंचायतीराज संस्थाओं में रिक्त पदों पर उपचुनाव जनवरी में होंगे। राज्य के चुनाव आयुक्त डॉ. मधुकर गुप्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी। गुप्ता ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग की प्राथमिकता नगरीय निकायों एवं पंचायतीराज संस्थाओं में रिक्त पदों पर अविलंब उपचुनाव करवाने की है, ताकि इन पदों पर लम्बे समय के लिए रिक्तियां नहीं रहे। उन्होंने कहा कि चुनावी प्रक्रिया को निष्पक्ष, सरल, सुगम एवं किफायती बनाने के लिए आयोग प्रयासरत है।

उन्होंने कहा कि राज्य के विभिन्न नगरीय निकायों एवं पंचायतीराज संस्थाओं में 31 अगस्त 2023 तक विभिन्न कारणों से रिक्त हुए पदों में नगरीय निकायों में सदस्य के 08, पंचायतीराज संस्थाओं में सरपंच के 20, पंच के 265, उप सरपंच के 24, प्रधान के 01, पंचायत समिति सदस्य के 07 पदों के उपचुनाव के लिए कार्यक्रम घोषित किया गया है।

इसके अनुसार सरपंच एवं पंच के उपचुनाव के लिए मतदान एवं मतगणना 10 जनवरी 2024 को होगी तथा उप सरपंच का चुनाव 11 जनवरी 2024 को होगा। वहीं पंचायत समिति सदस्य के पद के लिए भी मतदान 10 जनवरी एवं मतगणना 11 जनवरी को जबकि प्रधान पद के लिए चुनाव 12 जनवरी 2024 को होगा। साथ ही नगरीय निकायों के सदस्यों के लिए भी मतदान 10 जनवरी को एवं मतगणना 11 जनवरी 2024 को होगी। उल्लेखनीय है कि राज्य निर्वाचन आयुक्त डॉ. गुप्ता को बीते दिनों पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन में अंतरराष्ट्रीय चुनावी मामलों की 19 वीं कॉन्फ्रेंस में 'इलेक्शन कमिश्नर ऑफ द ईयर' के प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

मनोनीत उपमुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा ने सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की बात कही

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के मनोनीत उपमुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा ने बुधवार को कहा कि उनकी प्राथमिकता सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की होगी। उन्होंने कहा कि निवर्तमान कांग्रेस सरकार ने राजस्थान को महिलाओं और दलितों के खिलाफ अपराध में नंबर-वन बना दिया और अब लोगों को उसके कुशासन से छुटकारा मिल गया है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''हम कानून-व्यवस्था में सुधार करने पर काम करेंगे। राजस्थान महिलाओं के खिलाफ अपराध और दलित उत्पीड़न में सबसे आगे था। अब नई सरकार कानून-व्यवस्था में सुधार के लिए काम करेगी। हम समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलेंगे।'' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक दल की मंगलवार को हुई बैठक में बैरवा और दिया कुमारी को उपमुख्यमंत्री के रूप में नामित किया गया। वहीं भजन लाल राज्य के नए मुख्यमंत्री होंगे। शपथ ग्रहण समारोह 15 दिसंबर को होने की संभावना है।

गोगामेड़ी की हत्या के दौरान गोली लगने से घायल सुरक्षा गार्ड की उपचार के दौरान मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के दौरान गोलीबारी में घायल सुरक्षा गार्ड की मंगलवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, अजीत सिंह उन पीड़ितों में से एक थे जिस पर पांच दिसंबर को यहां श्याम नगर इलाके में गोगामेड़ी के आवास पर शूटर रोहित राठौड़ और नितिन फौजी ने अंधाधुंध गोलीबारी की थी और गोली लगने से वह घायल हो गए थे।

पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) योगेश गोयल ने बताया कि अजीत का सवाई मान सिंह (एसएमएस) अस्पताल में इलाज जारी था, जहां उन्होंने मंगलवार को दम तोड़ दिया। गोलीबारी में सुखदेव सिंह गोगामेड़ी, नवीन शेखावत और अजीत सिंह समेत तीन लोगों की मौत हो चुकी है। दोनों शूटर को पुलिस ने चंडीगढ़ से गिरफ्तार किया था।

सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड में घायल हुए सुरक्षा गार्ड अजीत की मौत के बाद उसके परिजनों ने समाज के लोगों साथ एसएमएस अस्पताल के शवगृह के सामने आर्थिक सुरक्षा की मांग को लेकर धरना दे दिया। गोगामेड़ी हत्याकांड में गंभीर रूप से घायल सुरक्षाकर्मी अजीत सिंह की कल मौत हो गई थी। जयपुर के एसएमएस अस्पताल में अजीत का इलाज चल रहा था। मौत के बाद परिजनों ने समाज के अन्य लोगों के साथ अस्पताल के शवगृह के सामने धरना दे दिया।

जानकारी के मुताबिक मृतक के परिजन आर्थिक सहायता की मांग कर रहे हैं। ज्ञात रहे कि 5 दिसंबर को सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के दौरान बदमाशों ने उनके सुरक्षाकर्मी अजीत सिंह को भी गोलियां मारी थीं। गंभीर हालत में उन्हें इलाज के लिए जयपुर के एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां मंगलवार देर शाम अजीत की मौत हो गई थी।

गैंगस्टर गोदारा बॉलीवुड स्टाइल में अधिकारियों से बच निकला; अमेरिका, कनाडा में होने की आशंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान का रहने वाला कुख्यात अपराधी रोहित गोदारा किसी बॉलीवुड थ्रिलर की पटकथा जैसी साहसिक भागने की घटना में 'डनकी' पद्धति का उपयोग करके भारतीय अधिकारियों को चकमा देने में कामयाब रहा है। करणी सेना अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड में नाम आने के बाद से बीकानेर के लूणकरण निवासी रोहित गोदारा फरार है और उसकी तलाश कनाडा तक हो रही है। 2010 के बाद से उनके खिलाफ तीन दर्जन से अधिक गंभीर मामले होने के बावजूद, रोहित गोदारा ने 'डनकी' नामक गुप्त विधि का उपयोग करके कई देशों की सफलतापूर्वक यात्रा की है, जिसमें वीज़ा सिस्टम और आव्रजन नियमों में कमजोरियों का फायदा उठाने के लिए रणनीतिक रूप से ठहरावों की एक श्रृंखला शामिल है।

गोदारा के स्थान के बारे में अटकलें तेज हैं। सूत्रों का कहना है कि वह कई राज्यों में अधिकारियों से सफलतापूर्वक बच गया होगा और वर्तमान में कनाडा या अमेरिका में छिपा हुआ है। सूत्रों के मुताबिक, यह भी संभव है कि वह यूरोप के रास्ते अमेरिका या कनाडा जा रहा हो, क्योंकि पिछले महीने शूटरों को की गई उसकी कॉल से पता चला है कि उसकी लोकेशन दक्षिण-पश्चिमी यूरोप में है।

फेसबुक पोस्ट में गोगामेड़ी की हत्या की जिम्मेदारी लेने के बाद गोदारा के पलायन ने एक बार फिर वैश्विक अपराध के युग में कानून प्रवर्तन एजेंसियों के सामने आने वाली चुनौतियों को उजागर किया है। हालांकि पोस्ट की प्रामाणिकता असत्यापित है। गोदारा राजस्थान में व्यापारियों से पाँच करोड़ से 17 करोड़ रुपये तक की रंगदारी मांगने के लिए जाना जाता है। हालाँकि, गोदारा की आपराधिक गतिविधियाँ क्षेत्रीय सीमाओं से परे फैली हुई हैं। अप्रैल में दिल्ली भाजपा नेता सुरेंद्र मटियाला की हत्या में उनकी संलिप्तता थी। हाल ही में, दिल्ली पुलिस ने कपिल सांगवान-रोहित गोदारा गिरोह से जुड़े नाबालिगों और शार्पशूटरों सहित आठ अपराधियों को पकड़ा। उन्हें कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई-संपत नेहरा गिरोह के गैंगस्टर कपिल उर्फ नंदू और रोहित गोदारा द्वारा काम पर रखा गया था, जो आपराधिक नेटवर्क के दूरगामी प्रभाव को उजागर करता है। विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध शाखा) रवींद्र सिंह यादव ने कहा, नंदू और गोदारा ने पहले उन्हें इलाके में आतंक फैलाने और प्रतिद्वंद्वी मंजीत महल गिरोह को कमजोर करने के लिए सुरेंद्र मटियाला की हत्या करने के लिए कहा था। संपत नेहरा ने राजस्थान में अपने भर्ती एजेंटों की मदद से शूटरों की व्यवस्था की। उन्हें प्रतिद्वंद्वी नीरज बवाना गिरोह के एक शीर्ष गैंगस्टर की हत्या का काम दिया गया था।

देशभर में उसके खिलाफ 32 से अधिक आपराधिक मामलों के साथ, गोदारा रैपर सिद्धू मूसेवाला और गैंगस्टर राजू ठेहट सहित हाई-प्रोफाइल हत्याओं के सिलसिले में एक वांछित व्यक्ति है। वह 13 जून को फर्जी पासपोर्ट पर उसके दिल्ली से दुबई भाग गया था।

सरिस्का में मगरमच्छ लुभाते हैं पर्यटकों को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सर्दियों के मौसम में मगरमच्छ धूप सेकने के लिए बाहर जमीन पर आ जाते हैं जिन्हें देखने के लिए रोजाना यहां काफी संख्या में लोग आते हैं जो कि इन मगरमच्छों को पत्थर भी मारते हैं। ऐसे में कभी भी कोई घटना घट सकती है।

अलवर। राजस्थान में अलवर शहर के समीप सिलीसेड झील के करीब बहाव क्षेत्र में बने में जलाशय करीब 300 मगरमच्छ इन दिनों पर्यटकों को काफी लुभाते हैं लेकिन सुरक्षा अभाव में उनका जीवन भी खतरे में संभव है। सरिस्का प्रशासन ने उनकी सुरक्षा के लिए कोई बंदोबस्त नहीं किए हैं। सरिस्का अभयारण्य से दस साल पहले करीब आधा दर्जन मगरमच्छ इस झील के पास लाकर छोड़ा था। अब इनका कुनबा बढ़कर 300 पार पहुंच गया। सर्दी के मौसम में सिलिसेढ़ झील के समीप बनी एक ताल में बस रहा मगरमच्छों का कुनबा धूप सीखने के लिए बाहर जमीन पर आ जाते हैं जिन्हें देखने के लिए रोजाना सैकड़ो की तादाद में पर्यटक पहुंच रहे हैं। यह मगरमच्छ अलवर जिले के ही नहीं अपितु बाहर से भी लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं वही सरिस्का प्रशासन के द्वारा सुरक्षा के यहां कोई इंतजाम नहीं होने के कारण कभी भी बड़ा हादसा होने की संभावना बनी रहती है। इस साल में लगभग 300 से अधिक मगरमच्छ विचरण करते हैं जो की पाल के आसपास उग रही बड़ी-बड़ी घासो के अंदर छिपे रहते हैं, जिन्हें देखने के लिए रोजाना काफी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। ऐसे में कोई व्यक्ति मगरमच्छ का शिकार न बन जाए इसलिए सरिस्का प्रशासन को चाहिए कि यहां सुरक्षा की दृष्टि से या तो कोई गार्ड तैनात करें या फिर इस पाल के चारों तरफ जालियां लगाई जाए जिससे कि कोई हादसा होने की संभावना न हो ।

गौरतलब है कि कुछ वर्ष पहले सरिस्का प्रशासन ने यहां पर पर्यटकों की जंगल सफारी भी शुरू की थी लेकिन आज वह बंद है। पास ही में बना रहे एक होटल संचालक ने बताया कि सर्दियों के मौसम में मगरमच्छ धूप सेकने के लिए बाहर जमीन पर आ जाते हैं जिन्हें देखने के लिए रोजाना यहां काफी संख्या में लोग आते हैं जो कि इन मगरमच्छों को पत्थर भी मारते हैं। ऐसे में कभी भी कोई घटना घट सकती है।

मंत्रिमंडल में भी नए चेहरों को ज्यादा मिलेगा मौका?

जयपुर। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने जिस प्रकार पहली बार विधायक बने भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बना कर चौंकाया है, उसी प्रकार मंत्रिमंडल में भी कई चौकाने वाले नाम शामिल होंगे। यानी भजनलाल की टीम में नए चेहरों को ज्यादा मौका दिया जाएगा। सांसद से विधायक बने लोगों को भी तवज्जो दी जाएगी। ऐसा राजनीतिक प्रेक्षकों का मानना है। तीनों प्रदेशों में जिस तरह मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नए चेहरों को मौका दिया गया है, उससे शीर्ष नेतृत्व ने संकेत दिए हैं कि कोई भी बड़ा लीडर अपने आपको तोप नहीं समझे और मुगालते में नहीं रहे। राजस्थान मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री समेत 30 मंत्री बनाए जा सकते हैं।

इनको भी मिल सकता है मौका

डॉ. किरोड़ीलाल मीणा, राज्यवर्धन सिंह राठौड़, बाबा बालकनाथ, कालीचरण सराफ, गोपाल शर्मा, पुष्पेंद्र सिंह राणावत, जोगेश्वर गर्ग, अनिता भदेल, शंकर सिंह रावत, उदयलाल भड़ाना, गोपीचंद मीणा, हेमंत मीणा, गौतम कुमार, अमृतलाल मीणा, शंकरलाल डेचा, जेठानंद व्यास, देवेंद्र जोशी, गजेंद्र सिंह, सुरेश रावत, अविनाश गहलोत, सुमित गोदारा, श्रीचंद कृपलानी, संजीव बेनीवाल, विश्वराज मेवाड़, झाबरसिंह खर्रा, बाल मुकुंदाचार्य, देवीसिंह शेखावत, नौक्षम चौधरी, और मदन दिलावर आदि।

सुरक्षा चूक से अपर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था उजागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसद में बुधवार को हुई बड़ी सुरक्षा चूक ने सुरक्षा प्रोटोकॉल में कमियों को सामने ला दिया है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा सुरक्षा चूक के मुद्दे पर बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में कई नेताओं ने इस मुद्दे को उठाया। सूत्रों ने बताया कि लोकसभा कक्ष में कूदने वाले दो आरोपियों मनोरंजन डी और सागर शर्मा के पास 45 मिनट की अवधि वाले आगंतुक पास थे, लेकिन वे नियमों का उल्लंघन करते हुए करीब दो घंटे तक दर्शक दीर्घा में रहे। सूत्रों के अनुसार, संसद के सुरक्षा कर्मचारी आगंतुकों को उनके वहां रुकने की समयसीमा के पूरा होते ही बाहर निकाल देते थे, लेकिन नए भवन की दीर्घाओं में उनकी तैनाती लगभग ना के बराबर थी, क्योंकि वे बदलती सुरक्षा आवश्यकताओं के बीच विभिन्न स्थानों पर ड्यूटी में व्यस्त रहे। उन्होंने कहा कि विशेष निदेशक (सुरक्षा) से लेकर सुरक्षा सहायक ग्रेड- द्वितीय तक के पदानुक्रम में सुरक्षा अधिकारियों के स्वीकृत पदों की संख्या 301 है, जबकि कार्यरत 176 हैं और 125 पद रिक्त हैं।

सूत्रों ने बताया कि महत्वपूर्ण बात यह है कि रिक्तियों का सबसे बड़ा हिस्सा शुरुआती स्तर के अधिकारियों का है, जो सुरक्षा तंत्र का महत्वपूर्ण अंग हैं। सूत्रों के मुताबिक सुरक्षा सहायक ग्रेड- द्वितीय में स्वीकृत 72 पदों के मुकाबले, मौजूदा संख्या नौ है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा सहायक ग्रेड- प्रथम के अधिकारियों की मौजूदा संख्या 24 है, जबकि स्वीकृत पदों की संख्या 69 है। बिरला ने आश्वासन दिया कि 2001 के संसद पर आतंकवादी हमले की बरसी पर हुई इस घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था की गहन समीक्षा की जाएगी।

दर्शक दीर्घा से कूदने वाला एक आरोपी 3 माह से पास हासिल करने के लिए प्रयासरत था: सूत्र

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा के अधिकार पत्र पर लोकसभा की दर्शक दीर्घा से सदन में कूदने वाले दो व्यक्तियों को 'पास' जारी किए गए थे। सूत्रों के मुताबिक सांसद सिम्हा उनमें से एक आरोपी को जानते थे, क्योंकि वह उनके निर्वाचन क्षेत्र मैसूर का है और वह अक्सर उनके कार्यालय आता था। सूत्रों के अनुसार, आरोपियों में से एक मनोरंजन डी ने सह-आरोपी सागर शर्मा को सांसद के कार्यालय में दोस्त के रूप में पेश किया और नई संसद देखने के बहाने 'पास' हासिल किए। सिम्हा के कहने पर बुधवार के लिए तीन 'पास' जारी किए गए थे। सूत्रों ने बताया कि एक महिला को संसद से लौटना पड़ा क्योंकि, उसके साथ आए बच्चे का नाम उसके 'पास' पर अंकित नहीं था।

राष्ट्र सुरक्षाकर्मियों का सदैव ऋणी रहेगा : राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि 2001 में संसद पर हुए आतंकवादी हमले में अपनी जान गंवाने वाले वीर सुरक्षा कर्मियों का राष्ट्र हमेशा ऋणी रहेगा। पाकिस्तान के आतंकवादी संगठनों लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादियों ने 13 दिसंबर, 2001 को संसद परिसर पर हमला किया था, जिसमें नौ लोग शहीद हुए थे। सुरक्षा बलों ने पांचों आतंकवादियों को मार गिराया था।

मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''बहादुर सुरक्षाकर्मियों ने 22 साल पहले आज ही के दिन देश के शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व को खत्म करने और हमारे लोकतंत्र के मंदिर को नुकसान पहुंचाने की आतंकवादियों की नापाक साजिश को नाकाम कर दिया था। इन बहादुर जवानों में मातृभूमि के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले नौ लोग भी शामिल थे।''

उन्होंने कहा कि राष्ट्र सदैव उनका ऋणी रहेगा। राष्ट्रपति ने कहा, ''उनके बलिदान को व्यर्थ नहीं जाने दिया जाएगा क्योंकि हम हर जगह मानव जाति के लिए खतरा बन चुके आतंकवाद के सभी रूपों को खत्म करने की अपनी प्रतिज्ञा आज दोहराते हैं।''

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 'भारत के विकास का पावरहाउस' बना पूर्वोत्तर : सोनोवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर क्षेत्र 'भारत के विकास का पावरहाउस' बन गया है।

असम के पूर्व मुख्यमंत्री ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि मोदी ने अपने नौ साल के कार्यकाल के दौरान क्षेत्र के लिए अपनी गारंटी से कहीं अधिक काम किया है और इस दौरान कांग्रेस के शासन में दशकों की 'उपेक्षा' का सामना करने वाले पूर्वोत्तर क्षेत्र में 'शांति और सुरक्षा' बहाल हुई है। सोनोवाल ने कहा कि सड़क, रेलवे, जलमार्ग और हवाई संपर्क सहित बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए नौ वर्षों में क्षेत्र के आठ राज्यों को पांच लाख करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान दिया गया है। उन्होंने कहा कि हवाई अड्डों की संख्या नौ से बढ़कर 17 हो गई है।

पूर्वोत्तर में सबसे शक्तिशाली राजनीतिक ताकत रही कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि आतंकवाद, प्रदर्शन, कमजोर सरकारें, खराब नीतियां और घोटालों ने उसके शासन में क्षेत्र को प्रभावित किया क्योंकि लोगों को अनिश्चित भविष्य का सामना करना पड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस क्षेत्र के संसाधनों को लूटने में दिलचस्पी रखती थी जबकि लोगों को बुनियादी जरूरतों के लिए विरोध प्रदर्शन करना पड़ता था। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के शासन काल में क्षेत्र के प्रतिनिधियों को मंत्रियों और अधिकारियों से मिलने का समय पाने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में महीनों इंतजार करना पड़ता था, जो अक्सर व्यर्थ जाता था।

ईडी के समक्ष पेश नहीं हुए कार्ति चिदंबरम, इसे ''सबसे फर्जी'' मामला बताया

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के नेता एवं सांसद कार्ति चिदंबरम 2011 में 263 चीनी नागरिकों को वीजा जारी करने में कथित अनियमितताओं से जुड़े धनशोधन मामले की जांच में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय के समक्ष पेश नहीं हुए और उन्होंने इस मामले को ''सबसे फर्जी'' करार दिया। तमिलनाडु की शिवगंगा लोकसभा सीट से 52 वर्षीय सांसद को केंद्रीय एजेंसी ने इस सप्ताह यहां अपने कार्यालय में उपस्थित होने को कहा था। उन्हें धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जांच के सिलसिले में अपने बयान दर्ज कराने थे।

माना जा रहा है कि सांसद ने प्रवर्तन निदेशालय को सूचित किया है कि वह संसद का सत्र चलने के कारण व्यस्त हैं। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीई) की प्राथमिकी के अनुसार, वेदांत समूह की कंपनी तलवंडी साबो पावर लिमिटेड (टीएसपीएल) के एक शीर्ष अधिकारी ने कार्ति और उनके करीबी सहयोगी एस भास्कररमन को रिश्वत के रूप में 50 लाख रुपये दिए थे। प्रवर्तन निदेशालय का 2022 का यह मामला इन्हीं आरोपों से जुड़ा है। कार्ति ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि यह ''सबसे फर्जी'' मामला है और उनके कानूनी सलाहकारों का दल इस संबंध में आगे कदम उठाएगा।

सुशील मोदी ने नीतीश को वाराणसी से मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ने की चुनौती दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता सुशील कुमार मोदी ने बुधवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को 'फ्यूज्ड बल्ब' करार दिया और उन्हें वाराणसी से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ लोकसभा चुनाव लड़ने की चुनौती दी।

बिहार के मुख्यमंत्री के इस महीने के अंत में वाराणसी में रैली करने की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए राज्यसभा सदस्य मोदी ने कहा, ''नीतीश कुमार एक फ्यूज्ड बल्ब हैं, जो टिमटिमा सकता हैं, लेकिन कभी रोशनी नहीं फैला सकता।'' उन्होंने कहा, ''वह मध्य प्रदेश में अपने उम्मीदवारों को नहीं जिता सके... उनका प्रभाव उनके राज्य तक ही सीमित है। वह अखिलेश यादव की वजह से रैली कर रहे हैं... हिम्मत हो तो नरेन्द्र मोदी के खिलाफ चुनाव लड़िये। अरविंद केजरीवाल लड़ने आए और भाग गए।'' प्रधानमंत्री मोदी वाराणसी से सांसद हैं।

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री और बेगूसराय से सांसद गिरिराज सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार की कोई 'विश्वसनीयता' नहीं है। उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री को आधुनिक 'कामसूत्र' का निर्माता बताया। उन्होंने कहा, ''नीतीश कुमार की कोई विश्वसनीयता नहीं है, वह क्या भूमिका निभाने जा रहे हैं? बिहार में भी उनकी कोई भूमिका नहीं बची है। सार्वजनिक जीवन में उनकी भूमिका उस दिन खत्म हो गई जब उन्होंने बिहार विधानसभा में महिलाओं का अपमान किया और कामसूत्र के नए निर्माता बन गए।''

इस बीच, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता मनोज झा ने प्रधानमंत्री मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि वह अगली बार भी चुने जाएंगे।

प्रधानमंत्री मोदी के संसदीय क्षेत्र में बिहार के मुख्यमंत्री की रैली के बारे में पूछे जाने पर झा ने कहा, ''क्या वह (नीतीश कुमार) अपराध कर रहे हैं? क्या प्रधानमंत्री मोदी वाराणसी के मालिक हैं? एक जन प्रतिनिधि एक जन प्रतिनिधि होता है... इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि वह अगली बार चुने जाएंगे। नीतीश जी एक राज्य के मुख्यमंत्री हैं... कोई भी आम नागरिक वाराणसी जा सकता है।'' नीतीश कुमार 24 दिसंबर को वाराणसी के रोहनिया विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित करने वाले हैं।

'जो 'भाजपाई वॉशिंग मशीन' में नहीं गए, वो भ्रष्टाचारी, जो स्नान कर लिए, वो आज्ञाकारी'

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अपनी पार्टी के सांसद धीरज प्रसाद साहू के परिसरों से 350 करोड़ रुपये से अधिक की नगदी बरामदगी के मुद्दे को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हमले के बाद उन पर पलटवार करते हुए बुधवार को कहा कि जो ''भाजपाई वॉशिंग मशीन'' में नहीं गए, वह भ्रष्टाचारी हो गए, लेकिन जिन्होंने उसमें स्नान कर लिया, वह आज्ञाकारी बन गए।

खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''प्रधानमंत्री जी 'मनी हाइस्ट' की बात कर रहे हैं, तो लगे हाथ, यह भी बता दें कि जानबूझकर कर्ज अदा नहीं करने वाले 16,663 लोगों ने बैंको को 3.35 लाख करोड़ रुपये का चूना कैसे लगाया ?'' उन्होंने सवाल किया, ''क्या कारण है कि 2014-15 के बाद से बैंकों द्वारा 10.42 लाख करोड़ रुपये का कारपोरेट कर्ज बट्टे खाते में डाला गया, लेकिन वास्तविक ऋण वसूली 1.61 लाख करोड़ रुपये ही क्यों रही ? क्यों सरकारी लूट के कारण आज खुदरा महंगाई दर 5.5 प्रतिशत पर है, और 74 प्रतिशत भारतीय पौष्टिक आहार से वंचित हैं ?'' खरगे ने दावा किया, ''जो भाजपाई वॉशिंग मशीन में नहीं गए, वह तो भ्रष्टाचारी, जो उसमें स्नान कर लिए, वह बने आज्ञाकारी !!'' प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस सांसद साहू के परिसरों से 350 करोड़ रुपये से अधिक की बरामदगी के मुद्दे पर मंगलवार को कांग्रेस पर निशाना साधा और इसके लिए एक लोकप्रिय क्राइम सीरिज का हवाला दिया। प्रधानमंत्री ने अपने पोस्ट में कहा, ''भारत में 'मनी हाइस्ट' कथा की जरूरत किसे है, जब आपके पास कांग्रेस पार्टी है। कांग्रेस की डकैतियां 70 वर्षों से प्रसिद्ध हैं और अभी भी जारी हैं।''

मथुरा में नववर्ष पर लाखों श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद, वृन्दावन में बाहरी वाहन प्रतिबंधित रहेंगे

मथुरा (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मथुरा में नववर्ष के अवसर पर वृंदावन के विश्व प्रसिद्ध बांके बिहारी सहित अन्य मंदिरों में लाखों श्रद्धालुओं के आने की संभावना के मद्देनजर पुलिस प्रशासन ने यातायात की नई व्यवस्था की है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) शैलेश कुमार पांडेय ने बताया कि संभावना है कि 31 दिसंबर और एक जनवरी को बांकेबिहारी के दर्शन के लिए देश-विदेश से करीब 10 लाख श्रद्धालु वृन्दावन आएंगे, इसके मद्देनजर वृन्दावन में सभी 'ई-रिक्शा' केवल रूट के हिसाब से चलेंगे और 25 दिसंबर से वृन्दावन में बाहरी वाहनों का प्रवेश बंद कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी वाहन शहर के प्रवेश मार्गों पर बनाए जाने वाली पार्किंग में ही खड़े किये जा सकेंगे। पांडेय ने बताया कि यह व्यवस्था दो जनवरी तक लागू रहेगी और सभी प्रवेश द्वारों पर पुलिस बल तैनात किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बांकेबिहारी मंदिर पर भीड़ को नियंत्रित करने और सुरक्षा के लिए 250 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे। एसएसपी ने बताया कि वृन्दावन के तीन प्रमुख रूट पर अलग-अलग रंग के ई-रिक्शा चलाए जाएंगे, जिन पर क्यूआर कोड लगाए जा रहे हैं।

पोस्टमार्टम के दौरान शव की आंखें निकालने के आरोप में दो डॉक्टर गिरफ्तार

बदायूं (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले के सिविल लाइंस क्षेत्र में एक विवाहिता के शव के पोस्टमार्टम के बाद उसकी आंख गायब होने के मामले में बुधवार को अन्त्य परीक्षण करने वाली टीम के दो प्रमुख डॉक्टरों को गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों को अदालत में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि अलापुर थाना इलाके के गांव कुतरई निवासी गंगा चरण की बेटी पूजा (20) का शव मुजरिया थाना इलाके के रसूला गांव में स्थित उसकी ससुराल में गत रविवार को फांसी से लटकता पाया गया था। पूजा के मायके के लोगों ने दहेज की मांग पूरी नहीं होने के कारण उसकी हत्या किये जाने का आरोप लगाया था। उन्होंने बताया कि पुलिस ने सोमवार को पूजा के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। पोस्टमार्टम के बाद शव को काले बैग में रखकर परिजनों को दे दिया गया था। आरोप है कि सोमवार शाम जब परिजनों ने बैग खोलकर शव को देखा तो उसकी दोनों आंखे गायब थीं।

खेलो इंडिया पैरा खेल : प्रणव सूरमा ने एशियाई पैरा खेलों का रिकॉर्ड सुधारा, स्वर्ण पदक जीता

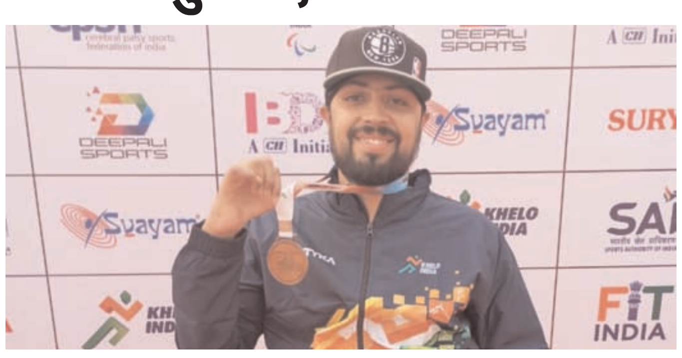

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। हरियाणा के प्रणव सूरमा ने बुधवार को यहां खेलो इंडिया पैरा खेलों में एफ51 पुरुष क्लबथ्रो स्पर्धा में अपना एशियाई पैरा खेलों का रिकॉर्ड बेहतर करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उन्होंने 33.54 मीटर की दूरी से पहला स्थान हासिल किया और हांगझोउ एशियाई पैरा खेलों के दौरान 30.01 मीटर के प्रयास से बेहतर प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने धरमबीर के 31.09 मीटर के एशियाई रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ा।

उप्र के राम रतन सिंह ने 25.43 मीटर से रजत और तमिलनाडु के एलेक्जेंडर एम ने 25.28 मीटर से कांस्य पदक जीता। निशानेबाजी में राजस्थान के अनुभवी स्टार विजय सिंह कुंतल ने एचएस2 वर्ग की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में 618.3 के स्कोर से स्वर्ण पदक जीता। तेलंगाना के सत्य जनार्दन श्रीधर रायाला ने रजत और पंजाब के दलबीर सिंह ने कांस्य पदक जीता। महिलाओं की एचएच 1 वर्ग की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग स्पर्धा में राजस्थान की मोना अग्रवाल ने 619.7 अंक के स्कोर से पहला स्थान हासिल किया। हरियाणा की सिमरन ने रजत और उप्र की आकांशा ने कांस्य पदक हासिल किया। पुरुष वर्ग में महाराष्ट्र के स्वरूप उनहालकर ने स्वर्ण, हरियाणा के दीपक सैनी ने रजत व हरियाणा के इशांक आहूजा ने कांस्य पदक नाम किया। पैरा पावरलिफ्टिंग 61 किग्रा एलीट वर्ग में पंजाब की सीमा रानी ने 88 किग्रा के वजन से स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

शमी अर्जुन पुरस्कार और सात्विक-चिराग खेल रत्न पुरस्कार के लिए नामांकित

नई दिल्ली/भाषा। वनडे विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को अर्जुन पुरस्कार जबकि बैडमिंटन पर की पुरुष युगल जोड़ी सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है। तैतीस वर्षीय तेज गेंदबाज शमी ने वनडे विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया था। भारत इस टूर्नामेंट के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार गया था।

खेल मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने शमी का नाम सूची में शामिल करने के लिए विशेष आग्रह किया। इससे पहले उनका नाम देश के दूसरे सर्वोच्च खेल पुरस्कार के लिए नामित किए गए खिलाड़ियों की सूची में शामिल नहीं था। शमी ने वनडे विश्व कप में सर्वाधिक विकेट लिए। उन्होंने केवल सात मैच में 24 विकेट हासिल किए थे। पहले चार मैच में बाहर रहने के बाद शमी को जब मौका मिला तो उन्होंने उसका पूरा फायदा उठाया। वह अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी दो टेस्ट मैच की श्रृंखला में खेल सकते हैं।

भारतीय टीम पर महिला क्रिकेट को आगे ले जाने की जिम्मेदारी है : हरमनप्रीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नवी मुंबई/भाषा। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर चाहती हैं कि महिला क्रिकेट में अधिक से अधिक टेस्ट आयोजित किये जायें और बुधवार को उन्होंने स्वीकार किया कि इसे वास्तविकता बनाने के लिए भारत को निरंतर प्रदर्शन से मुख्य भूमिका निभानी होगी।

करीब नौ साल के बाद भारत घरेलू सरजमीं पर एक टेस्ट मैच खेलेगा जिसमें टीम का सामना यहां डी वाई पाटिल स्टेडियम में इंग्लैंड से होगा। भारत ने अपने मैदान पर अंतिम टेस्ट मैच नवंबर 2014 में मैसूर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था। हरमनप्रीत ने मैच की पूर्व संध्या पर मीडिया से कहा, ''महिला क्रिकेट के बारे में बात करें तो भारत में इसमें दिन प्रतिदिन सुधार हो रहा है। काफी लोग मैच देखने आ रहे हैं जो हमने पिछले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भी देखा। '' उन्होंने कहा, ''दुनिया में हर कोई भारत में खेलना चाहता है। क्रिकेट की बात की जाये तो भारत में चीजें तेजी से बदल रही हैं। काफी लोग इसे पसंद कर रहे हैं और हम भी सुधार करने की कोशिश कर रहे हैं। हमारे पास महिला क्रिकेट को ऊंचाई तक ले जाने का मौका है। ''

खेत के मेड़ काटने के विवाद में युवक की लाठी डंडों से पीट पीटकर हत्या

सुलतानपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले के देहात कोतवाली थाना क्षेत्र के सोनबरसा गांव में बुधवार की सुबह मेड़ काटने के विवाद में युवक की लाठी डंडों से पीटकर हत्या कर दी गयी। पुलिस ने इसकी जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी तथा पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल में जुटी है। पुलिस क्षेत्राधिकारी (लम्भुआ) मो. सलाम ने बताया कि देहात कोतवाली क्षेत्र के सोनबरसा गांव में बुधवार की सुबह करीब सात बजे गांव के दिव्यांग हृदयलाल यादव खेत में गेहूं की बुआई कर घास साफ कर रहे थे।

इसी दौरान बगल के खेत के किसान तथा पड़ोसी संदीप वर्मा मेड़ काटने के मामले में यादव के साथ विवाद किया और उनकी कथित पिटाई कर दी ।

पता नहीं था कि हार के दर्द से कैसे उबर सकूंगा, फिर शिखर पर पहुंचने के लिये प्रेरित हूं : रोहित शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रोहित शर्मा को पता नहीं था कि विश्व कप फाइनल में मिली हार की निराशा से वह कभी उबर सकेंगे या नहीं लेकिन अब प्रशंसकों के प्यार और समझदारी ने उन्हें एक बार फिर शिखर पर पहुंचने का प्रयास करने के लिये प्रेरित किया है ।

रोहित ने यह नहीं बताया कि वह किस शिखर की बात कर रहे हैं लेकिन समझा जाता है कि वह अगले साल अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 विश्व कप में भारत की कप्तानी के बारे में सोच रहे हैं। फाइनल तक रोहित के लिये बतौर बल्लेबाज और कप्तान विश्व कप का सफर शानदार रहा लेकिन 19 नवंबर को फाइनल में आस्ट्रेलिया ने भारत को हराया । फाइनल की हार के बाद रोहित मैदान से निकले तो उनकी आंखें भरी हुई थी । वह इस दर्द को भुलाने के लिये ब्रेक पर इंग्लैंड चले गए थे ।

रोहित ने इंस्टाग्राम पर अपने फैन पेज पर लिखा ,''पहले कुछ दिन तो मुझे समझ ही नहीं आया कि इससे कैसे उबरूंगा । मेरे परिवार और दोस्तों ने मेरा हौसला बनाये रखा । हार को पचाना आसान नहीं था

लेकिन जिंदगी चलती रहती है और आगे बढना आसान नहीं था ।'' उन्होंने टीम के शानदार प्रदर्शन को समझने और सराहने वाले प्रशंसकों की तारीफ की । उन्होंने कहा ,'' लोग मेरे पास आकर कहते थे कि उन्हें टीम पर गर्व है । मुझे बहुत अच्छा लगता था । उनके साथ मैं भी दर्द से उबरता गया । मैने सोचा कि आप यही तो सुनना चाहते हैं ।'' उन्होंने कहा ,'' लोग जब समझते हैं कि खिलाड़ियों पर क्या बीत रही होगी और वे अपनी हताशा या गुस्सा नहीं निकालते हैं तो यह हमारे लिये बहुत मायने रखता है । मेरे लिये तो इसके बहुत मायने हैं क्योंकि लोगों में गुस्सा नहीं था । जब भी मिले, उन्होंने प्यार ही बरसाया ।' उन्होंने कहा ,'' इससे वापसी करने और नये सिरे से आगाज करने की प्रेरणा मिली । एक बार फिर शिखर पर पहुंचने की कोशिश करनी है ।'' रोहित ने कहा ,'' पूरे विश्व कप के दौरान हमें दर्शकों का जबर्दस्त समर्थन मिला । मैदान के भीतर भी और जो घरों में देख रहे थे, उनसे भी । मैं इसकी सराहना करता हूं । लेकिन जितना ज्यादा विश्व कप के बारे में सोचता हूं, दुख होता है कि हम जीत नहीं सके ।'' उन्होंने कहा ,'' मैं 50 ओवरों का विश्व कप देखकर बड़ा हुआ। मेरे लिये यह सबसे बड़ा ईनाम है। 50 ओवरों का विश्व कप। हमने इसके लिये कितनी मेहनत की और नहीं जीत पाने पर निराशा तो होगी ही । कई बार हताशा भी होती है क्योंकि जिसके लिये मेहनत कर रहे थे , जिसका सपना देख रहे थे , वह नहीं मिला ।''

'पावरप्ले का अधिक प्रभावी ढंग से इस्तेमाल करना होगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गक्बेरहा/भाषा। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि भारत को तीसरा टी20 जीतकर श्रृंखला में बराबरी करना है तो भारतीय बल्लेबाजों को पावरप्ले का बेहतर इस्तेमाल करना होगा। भारत ने सेंट जॉर्ज पार्क में पहले बल्लेबाजी करते हुए दो ओवर में छह रन पर ही दो विकेट गंवा दिये थे । सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल खाता भी नहीं खोल सके ।

दक्षिण अफ्रीका ने 15 ओवर में 152 रन का संशोधित लक्ष्य सात गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया । मेजबान ने सिर्फ 2 . 5 ओवर में ही 42 रन बना डाले थे । सूर्यकुमार ने मैच के बाद कहा ,'' संदेश साफ है । दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाजों ने पहले पांच छह ओवर में शानदार प्रदर्शन किया । हम इसी तरह के क्रिकेट की बात कर रहे थे । हमें अब तीसरे टी20 का इंतजार है ।'' टी20 क्रिकेट में सबसे तेजी से 2000 रन पूरे करने वाले सूर्यकुमार ने कहा कि बारिश और ओस के कारण उनके गेंदबाजों को दिक्कतें आई । उन्होंने कहा ,'' स्कोर खराब नहीं था लेकिन गेंदबाजी करना मुश्किल था । मैने लड़कों से कहा कि कम्फर्ट जोन से बाहर निकलना होगा । ड्रेसिंग रूम का माहौल हमेशा खुशनुमा ही रहता है क्योंकि मैने उनसे कहा है कि जो मैदान पर होता है, उसे मैदान पर ही छोड़ दो ।'' दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्कराम ने कहा कि गेंदबाजों ने शुरूआती चरण में धीमी पिच का पूरा फायदा उठाकर भारतीय बल्लेबाजों को बांधे रखा। उन्होंने कहा कि शुरूआत में विकेट धीमा था। बारिश से हमें बल्लेबाजी के दौरान मदद मिली।

सुविचार

ज़िन्दगी को जिओ उसे समझने की कोशिश ना करो, चलते वक़्त के साथ चलो, वक़्त को बदलने की कोशिश ना करो।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सुरक्षा में बड़ी चूक

लोकसभा की दर्शकदीर्घा से दो लोगों के कूदकर हुड़दंग मचाने की घटना हैरान करने वाली है। साथ ही इससे कई सवाल भी खड़े होते हैं। ये लोग यहां तक पहुंचने में कैसे कामयाब हुए? इनमें से एक शख्स ने अपने जूते से पीले रंग का गैस स्प्रे निकालकर उसका इस्तेमाल भी किया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है? क्या सुरक्षाकर्मियों ने पहले इस ओर ध्यान नहीं दिया था? जो व्यक्ति जूतों में छिपाकर गैस स्प्रे ले जा सकता है, वह कोई घातक चीज भी लेकर जा सकता था! यह संसद भवन की सुरक्षा में स्पष्ट रूप से बड़ी चूक है। 'मनोरंजन' और 'सागर' नामक इन व्यक्तियों का क्या इरादा था? क्या इन्होंने महज प्रचार पाने के लिए ऐसा हथकंडा अपनाया, वह भी ऐसे दिन, जब 22 साल पहले (पुराने) संसद भवन पर आतंकवादियों ने हमला किया था? जब इन्होंने दर्शकदीर्घा तक पहुंचने और वहां से कूदने की योजना बनाई होगी, तो इन्हें इतनी जानकारी जरूर रही होगी कि संसद भवन में सुरक्षाकर्मी अत्याधुनिक हथियारों से लैस होते हैं। अगर इनकी हरकतों की सूचना के बाद सुरक्षाकर्मी कठोर कार्रवाई कर देते तो क्या होता? ये लोग जान से हाथ धो बैठते! सरकार की नीतियों का विरोध करना नागरिकों का हक है, लेकिन उसका एक जायज तरीका होता है। उसके लिए विभिन्न माध्यमों से आवाज उठाई जा सकती है, धरने दिए जा सकते हैं, विरोध-प्रदर्शन किए जा सकते हैं। देश में रोज़ाना कहीं-न-कहीं ऐसे प्रदर्शन होते रहते हैं, लेकिन इस बात की किसी को भी इजाजत नहीं दी जा सकती कि वह संसद भवन में जाकर उत्पात मचाए। यह लोकतंत्र का मंदिर है। इसकी एक मर्यादा है। यह कोई हुल्लड़बाजी का अखाड़ा नहीं है। भारतवासियों ने विदेशी गुलामी से मुक्ति पाकर संसद तक पहुंचने के लिए कई बलिदान दिए हैं। यहां प्रवेश कर ओछी हरकतों को अंजाम देना उन बलिदानों का भी अपमान है।

एक ओर जहां लोकसभा में यह घटना हो रही थी, वहीं दूसरी ओर एक पुरुष और उसकी महिला साथी संसद भवन के बाहर वैसी ही सामग्री से पीले और लाल रंग का धुआं छोड़ते हुए विरोध-प्रदर्शन कर रहे थे। यह कैसा संयोग है? शुरुआत में यही दावा किया गया कि उनका किसी संगठन से कोई संबंध नहीं है, लेकिन देर-सबेर हकीकत सामने आ ही जाएगी। बिना किसी योजना और तालमेल के इतनी बड़ी घटना का होना किसी के गले नहीं उतरता। संसद भवन, जहां गंभीर विषय उठाए जाते हैं, उन पर बहसें होती हैं, कानून बनाए जाते हैं, जिनके एक-एक बिंदु से देशवासियों का भविष्य जुड़ा होता है, उसकी सुरक्षा में इतनी बड़ी चूक कैसे हो सकती है, जबकि इस भवन में प्रवेश से पहले कई बार जांच से गुजरना पड़ता है? अगर कोई जनरल विजिटर पास लेना चाहे तो उसके लिए पहले आवेदन करना पड़ता है। फिर उसकी पृष्ठभूमि की जांच होती है। जब वह व्यक्ति परिसर में प्रवेश करता है तो सुरक्षाकर्मियों के अलावा स्कैनरों और आधुनिक उपकरणों की जांच से गुजरना पड़ता है। वहां मौजूद कर्मचारी उस व्यक्ति की जांच को लेकर संतुष्ट हो जाते हैं, तभी वह आगे जा सकता है। यह कहना गलत नहीं होगा कि ये दोनों लोग कहीं-न-कहीं सुरक्षा व्यवस्था को चकमा देने में कामयाब हो गए, अन्यथा ऐसी उद्दंडता नहीं कर पाते। इस घटनाक्रम की संपूर्ण जांच होनी चाहिए और भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति न हो, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए। संसद भवन के अलावा राज्यों की विधानसभाओं की सुरक्षा भी मजबूत की जाए। जहां जरूरी हो, आगंतुकों के लिए नियमों में संशोधन किया जाए। प्राय: खुराफाती और उपद्रवी तत्त्वों में यह प्रवृत्ति होती है कि वे ऐसी घटनाओं से प्रभावित होकर खुद भी इन्हें कहीं दोहराने की कोशिश करते हैं। दिसंबर 2008 में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश पर इराक के एक शख्स ने जूता फेंका था। उसके बाद 'जूताकांड' की लहर-सी आ गई थी। दुनियाभर में कई नेताओं पर जूते फेंकने की घटनाएं हुई थीं। भविष्य में गैस स्प्रे आदि खरीदने के नियम कड़े किए जाएं। विरोध-प्रदर्शन करने के लोकतांत्रिक तरीकों को प्रोत्साहित किया जाए।

ट्वीटर टॉक

प्रदेश के मनोनीत उपमुख्यमंत्री एवं दूदू से विधायक श्री प्रेमचंद बैरवा जी को आज निवास स्थान पधारने पर अभिवादन किया। मुझे पूरा भरोसा है कि आपकी महती भूमिका में राजस्थान तरक्की के नए आयाम स्थापित करेगा।

सतीश पूनिया

संसद भवन... हमारे लोकतंत्र का प्रतीक है, जिसकी गरिमा और सुरक्षा बेहद महत्वपूर्ण है। आज ही के दिन वर्ष 2001 में संसद भवन पर आतंकी हमला हुआ था और आज ही जिस प्रकार संसद भवन की सुरक्षा में फिर से चूक की खबर सामने आई है, वह बेहद चिंताजनक है।

-सचिन पायलट

डॉ. मोहन यादव जी को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री और श्री राजेंद्र शुक्ला जी व श्री जगदीश देवड़ा जी को उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर अनंत बधाई! निश्चित ही माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत बनाने में मध्यप्रदेश की अग्रणी भागीदारी बनी रहेगी।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

सफलता

एक दिन कक्षा में अध्यापक ने बच्चों से अंकगणित के कुछ सवाल हल करने के लिए कहा। अब्राहम के पास अंकगणित की पुस्तक नहीं थी। कक्षा खत्म होने के बाद उन्होंने अपने सहपाठी से कहा, 'मुझे तुम्हारी मदद चाहिए।' सहपाठी हैरानी से बोला, 'मैं तुम्हारी क्या मदद कर सकता हूं?' लिंकन मुस्कराते हुए बोले, 'बस कुछ दिनों के लिए अपनी अंकगणित की पुस्तक घर के लिए उधार दे दो।' कुछ दिनों बाद अब्राहम ने सही-सलामत पुस्तक लौटा दी। पुस्तक वापस देखकर सहपाठी बोले, 'रख लो, क्या आगे जरूरत नहीं पड़ेगी।' अब्राहम बोले, 'बिल्कुल पड़ेगी मेरे दोस्त। लेकिन अब मेरे पास मेरी भी पुस्तक आ गई है।' सहपाठी हैरानी से बोला, 'अच्छा दिखाओ कहां है पुस्तक?' अब्राहम लिंकन ने झट से कागजों पर नकल की हुई सूई से सिली पुस्तक सहपाठी के आगे कर दी।' यह देखकर सहपाठी बोला, 'यह क्या अब्राहम? यह तुमने कब बनाई? इसे बनाने में तुमने दिन-रात एक कर दिया होगा।' अब्राहम बोले, 'हां यार, दिन-रात एक तो कर दिया, लेकिन तुमने मुझे इसे उधार देकर अपना ऋणी भी तो बना लिया।'

सामयिक

आत्म चिंतन करें मायावती

रमेश सर्राफ धमोरा
मोबाइल : 9414255034

हाल ही में संपन्न हुए राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना व मिजोरम विधानसभा के चुनाव में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का ग्राफ तेजी से गिरा है। राजस्थान, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ जैसे हिंदी पट्टी वाले प्रदेशों में बहुजन समाज पार्टी एक तीसरे विकल्प के रूप में अपनी ताकत का एहसास कराती आई थी। मगर इस बार के विधानसभा चुनाव में बसपा का पूरी तरह सूपड़ा ही साफ हो गया है।

पिछले विधानसभा चुनाव में राजस्थान में बसपा को 4 प्रतिशत वोट व 6 सीटों पर जीत मिली थी। मगर इस बार यहां बसपा 1.82 प्रतिशत वोटों के साथ मात्र दो सीटों पर ही सिमट गई है। राजस्थान विधानसभा चुनाव में बसपा को मात्र 721037 वोट मिले हैं। मध्य प्रदेश में पिछली बार बसपा को दो सीट व 5.01 प्रतिशत वोट मिले थे। जबकि इस बार के चुनाव में वहां बसपा को 3.40 प्रतिशत यानी 14,77,202 वोट तो मिल गए मगर सीट एक भी नहीं मिली। इसी तरह छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में पिछली बार बसपा को दो सीटों के साथ 552313 यानी 3.9 प्रतिशत वोट मिले थे। मगर इस चुनाव में वहां बसपा को सीट तो एक भी नहीं मिली उसके साथ ही वोटों में भी गिरावट दर्ज हुई है। वहां बसपा को 319903 यानी 2.05 प्रतिशत वोट ही मिले हैं। तेलंगाना के विधानसभा चुनाव में बसपा का खाता भी नहीं खुला। वहां पार्टी को 321074 यानी 1.37 प्रतिशत वोट मिले हैं।

मिजोरम में तो वैसे ही बसपा का कोई नाम लेवा नहीं है। 2022 में हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनाव में बसपा 53 सीटों पर चुनाव लड़ी मगर एक भी प्रत्याशी नहीं जीत पाया था। वहां पार्टी को 14613 यानी 0.35 प्रतिशत मत मिले थे। पिछले गुजरात विधानसभा के पिछले चुनाव में वहां बसपा ने 101 सीटों पर चुनाव लड़ा था। जिसमें 100 सीटों पर पार्टी प्रत्याशियों के जमानत जप्त हो गई थी। वहां पार्टी को मात्र 158123 यानी 0.5 प्रतिशत मत मिले थे। उतराखंड में बसपा के दो व पंजाब में एक विधााक है।

उत्तर प्रदेश की स्थिति देखें जहां से बसपा का जन्म हुआ था। वहां 2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी महज एक सीट ही जीत सकी थी। वहां बसपा को सिर्फ 12.88 प्रतिशत मत मिले थे। वहीं 2017 के विधानसभा चुनाव में 19 सीट व 22.31 प्रतिशत वोट मिले थे। 2012 की विधानसभा चुनाव में बसपा को उत्तर प्रदेश में 80 सीटों के साथ 25.91 प्रतिशत वोट मिले थे। वहीं 2007 के विधानसभा चुनाव में बसपा ने 30.43 प्रतिशत वोटो के साथ 206 सीट जीतकर अपने दम पर सरकार बनाई थी। 2002 के चुनाव में बसपा को 98 सीट व 23.6 प्रतिशत वोट मिले थे। 1996 के चुनाव में 67 सीट व 19.64 प्रतिशत वोट मिले थे। 1993 के चुनाव में 67 सीट व 11.12 प्रतिशत वोट, 1991 के चुनाव में 12 सीट व 9.44 प्रतिशत वोट मिले थे। 1989 के चुनाव में पहली बार बसपा ने उत्तर प्रदेश में चुनाव लड़कर 13 सीट तथा 9.41 प्रतिशत वोट पाए थे।

उपरोक्त आंकड़ों का विश्लेषण करें तो पता चलता है कि बहुजन समाज पार्टी का जनाधार लगातार कमजोर पड़ता जा रहा है। लोकसभा चुनाव के आंकड़ों को देख तो 2019 के चुनाव में बसपा को उत्तर प्रदेश में 10 सीटें व 3.67 प्रतिशत वोट मिले थे। 2014 के लोकसभा चुनाव में बसपा का खाता भी नहीं खुला था। हालांकि पार्टी को 4.19 प्रतिशत वोट मिले थे। 2009 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश में 20 व मध्य प्रदेश में एक कुल 21 सीट व 6.56 प्रतिशत वोट पाए थे। 2004 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश से 19 सीट जीतकर 5.33 प्रतिशत वोट प्राप्त किए थे। वर्ष 1999 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश से 14 सीट जीती थी तथा 4.16 प्रतिशत वोट प्राप्त किए थे। 1998 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश में चार व हरियाणा में एक कुल पांच सीट जीती थी तथा 4.67 प्रतिशत वोट पाए थे। 1996 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश से 6 पंजाब से तीन व मध्य प्रदेश से दो यानि कुल 11 सीट जीती थी तथा 4.02 प्रतिशत मत प्राप्त किए थे। 1991 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने मध्य प्रदेश में एक पंजाब में एक व उत्तर प्रदेश में एक कुल तीन सीट जीती थी वहीं 1.61 प्रतिशत मत प्राप्त किए थे। 1989 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ा था और पार्टी ने उत्तर प्रदेश में तीन व पंजाब में एक कुल चार सीटे जीत कर 2.07 प्रतिशत वोट पाये थे।

पिछले लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी से समझौता होने के चलते 10 सीटों पर जीत जरूर हासिल कर ली थी। मगर उसके बाद बसपा सुप्रीमो मायावती ने समाजवादी पार्टी से अपना चुनावी गठबंधन समाप्त कर दिया था और एकला चलों की नीति पर ही 2022 में उत्तर प्रदेश विधानसभा का चुनाव लड़ा था। जिसमें पार्टी का प्रदर्शन सबसे कमजोर रहा था। 2022 के विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में जहां से बसपा एक ताकत बनकर उभरी थी और चार बार सरकार बना चुकी है। वहां मात्र एक सीट पर सिमट जाना पार्टी के नेताओं के लिए बड़े शर्म की बात है।

काशीराम के जमाने में बसपा का पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ जैसे कई प्रदेशों में बड़ा प्रभाव रहता था। लेकिन अब धीरे-धीरे बसपा सिमटने लगी है। बसपा से जीते हुए बहुत से सांसद, विधायक दल बदल कर दूसरे दलों में शामिल हो जाते हैं। जिससे बसपा दिनोदिन कमजोर होने लगी है। राजस्थान विधानसभा के 2008 व 2018 के चुनाव में बसपा से 6-6 विधायक चुनाव जीते थे। मगर दोनों ही बार सभी विधायकों ने कांग्रेस में विलय कर गहलोत सरकार में मंत्री व अन्य लाभकारी पदों पर बैठ गए थे।

कभी बसपा में कैडर पार्टी का मुख्य आधार होता था। मगर आज पार्टी में कैडर नाम मात्र का भी नहीं बचा है। पार्टी के अधिकांश बड़े पदों पर पुराने नेताओं के स्थान पर दलबदलुओं का कब्जा हो गया है। बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती का अकेले चलो की सोच ने पार्टी को रसातल में पहुंचा दिया है। मायावती ना तो केन्द्र में सत्तारूढ़ भाजपा के साथ जाना चाहती है और ना ही इंडिया गठबंधन में शामिल होना चाहती है। ऐसे में एकला चलो की नीति बसपा के लिए आत्मघाती साबित हो रही है।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को विधिवत अपना राजनीतिक उत्तराधिकारी घोषित कर दिया है ताकि पार्टी को एक युवा नेता मिल सके। अब आगे उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड कि राजनीति स्वयं मायावती देखेगी बाकी के प्रदेशों में संगठन का काम आकाश आनंद संभालेंगे। यदि मायावती को अपनी पार्टी का राजनीतिक अस्तित्व बचाना है तो उन्हें भाजपा नीत एनडीए या कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधन में से किसी एक का साथ भी लेना होगा। बिना किसी गठबंधन में शामिल हुए बसपा का जनाधार बचना मुश्किल लग रहा है।

केंद्र सरकार के विरोधी इंडिया गठबंधन में शामिल अधिकांश दलों के नेता भी चाहते हैं कि मायावती उनके गठबंधन में शामिल होकर भाजपा के खिलाफ विपक्ष की एकता को मजबूत करें। अब इस बात का फैसला तो खुद मायावती को ही करना है कि वह किसी गठबंधन में शामिल होगी या फिर अपना एकला चलो का राग ही अलापति रहेगी।

हेल्थ

भारत में बढ़ता कैंसर का प्रकोप

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 8949519406

स्वस्थ जीवन का अधिकार हर मनुष्य को है। कैंसर का अर्थ होता है शरीर में कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि होना। आजकल नाना प्रकार की बीमारियों से बच्चे से बुजुर्ग तक पीड़ित है। भागदौड़ भरी ज़िंदगी में आज हर व्यक्ति अच्छी सेहत की बात करता है मगर अधिकांश व्यक्तियों को रोग का या तो समय पर पता नहीं चल पाता है या उसका सही तरह से उपचार नहीं हो पाता है, जिसके कारण हर साल पूरी दुनिया में करोड़ों लोगों की असमय ही अकाल मृत्यु हो जाती है। ऐसी ही एक बीमारी कैंसर है। देश में कैंसर रोगियों की संख्या में लगातार वृद्धि बेहद चिंताजनक है। पिछले पांच सालों के आंकड़ों पर नज़र डालेंगे तो पाएंगे कैंसर ने लगातार देश में अपना दायरा बढ़ाया है। इस अवधि में कैंसर रोगियों की संख्या कम होने के बजाय बढ़ती ही गयी है। राज्य सभा में बताया गया है कि कैंसर पीड़ितों की संख्या में अगले दो साल तक लगभग एक लाख की वृद्धि होने का अनुमान है। स्वास्थ्य व परिवार कल्याण राज्यमंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल ने मंगलवार को राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में बताया कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम के आंकड़ों के अनुसार कैंसर रोगियों की संख्या वर्ष 2022 में 14.61 लाख से बढ़कर साल 2025 तक 15.7 लाख करोड़ होने का अनुमान है। विगत पांच वर्षों से कैंसर रोगियों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। 2018 में कैंसर रोगियों की संख्या 13 लाख 25 हजार 232 थी जो 2022 में बढ़कर 14 लाख 61 हजार 427 हो गई। आंकड़ों के अनुसार देश में पुरुषों में सबसे ज्यादा मुंह और फेफड़ों के कैंसर के मामले सामने आए. वहीं महिलाओं में सबसे ज्यादा मामले ब्रेस्ट और गर्भाशय के कैंसर के रहे है।

कैंसर रोग के सबसे बड़े कारणों में धूम्रपान, तंबाकू और शराब का सेवन, मोटापा, शरीर में पोषक तत्वों और शारीरिक गतिविधियों में कमी को जिम्मेदार माना जाता है। कैंसर एक नहीं अपितु कई तरह के होते हैं। इनमें मुख कैंसर, स्तन कैंसर, पेट का कैंसर, ब्लड कैंसर, गले का कैंसर, गर्भाशय का कैंसर, अंडाशय का कैंसर, प्रोस्टेट (पौरुष ग्रंथि) कैंसर, मस्तिष्क का कैंसर, लिवर (यकृत) कैंसर, बोन कैंसर और फेफड़ों का कैंसर शामिल है। यहाँ हम मुख कैंसर की बात विशेष रूप से कर रहे है। हमारे देश को मुंह के कैंसर की वैश्विक राजधानी माना जाता है। मानव शरीर में जितने भी प्रकार के कैंसर पनपते हैं, उनमें से 30 प्रतिशत से भी अधिक मुंह के कैंसर होते हैं।

गुटखा, खैनी, तंबाकू सिगरेट, शराब, और पान मसाला मुख रोगों के लिए बेहद घातक और खतरनाक साबित हो रहे है। इनके सेवन से मुंह में जलन, छाले, मुंह के कम खुलने की समस्या आम है। मुंह के छाले यानी माउथ अल्सर यूं तो एक बहुत ही सामान्य परेशानी है, लेकिन इसे नजरअंदाज करना जानलेवा भी साबित हो सकता है, क्योंकि यह किसी गंभीर बीमारी का लक्षण भी हो सकता है। भारत में बच्चे से बुजुर्ग तक को सरे आम इनका सेवन करते देखा जा सकता है। यह शोक अमीर से गरीब तक सभी आयु वर्ग के लोगों में है। हमारे देश में लाखों लोग आज मुख की विभिन्न बीमारियों से ग्रसित है। यह बीमारी धीरे धीरे कैंसर का रूप ले रही है जिनका इलाज असाध्य हो चला है। आईसीएमआर की रिपोर्ट को देखें तो मुख के कैंसर से मरने वालों की तादाद में हर साल वृद्धि हो रही है जो हमारे लिए बेहद चिंतनीय है। यह स्थिति तो तब है जब अनेक राज्य सरकारों ने अपने यहाँ गुटखा और पान मसाला पर रोक लगा रखी है।

मुँह के कैंसर का अर्थ है मौखिक गुहा (होठों से शुरू होकर पीछे टॉन्सिल तक का हिस्सा) अथवा ओरोफैरिन्कस (गले का अंदरूनी हिस्सा) के ऊतकों में होने वाला कैंसर। जब शरीर के ओरल कैविटी के किसी भी भाग में कैंसर होता है तो इसे ओरल कैंसर कहा जाता है। ओरल कैविटी में होंठ, गाल, लार ग्रंथिया, कोमल व हार्ड तालू, यूवुला, मसूडों, टॉन्सिल, जीभ और जीभ के अंदर का हिस्सा आते हैं। इस कैंसर के होने का कारण ओरल कैविटी के भागों में कोशिकाओं की अनियमित वृद्धि होती है। ओरल कैंसर होने का जोखिम उम्र के साथ बढ़ता है। ओरल कैंसर आज हमारे देश की एक प्रमुख समस्या के रूप में बीमारी उभरी है सबसे ज्यादा पुरुषों में पाया जाता है इसका मुख्य कारण पान मसाला, तंबाकू बीड़ी सिगरेट का प्रयोग करना है।

चिंतन

जरूरी है ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूकता

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9034304041.

ऊर्जा मंत्रालय के अधीनस्थ ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा ऊर्जा दक्षता तथा संरक्षण में भारत की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए प्रतिवर्ष 14 दिसम्बर को राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस' का आयोजन किया जाता है। ब्यूरो द्वारा वर्ष 2001 में देश में ऊर्जा संरक्षण अधिनियम लागू किया गया था। दरअसल दुनियाभर में पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या तेजी से बढ़ी है और उसी के अनुरूप ऊर्जा की खपत भी निरन्तर बढ़ रही है लेकिन दूसरी ओर जिस तेजी से ऊर्जा की मांग बढ़ रही है, उससे भविष्य में परम्परागत ऊर्जा संसाधनों के नष्ट होने की आशंका बढ़ने लगी है। अगर ऐसा होता है तो मानव सभ्यता के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिन्ह लग जाएगा। यही कारण है कि भविष्य में उपयोग हेतु ऊर्जा के स्रोतों को बचाने के लिए विश्वभर में ऊर्जा संरक्षण की ओर विशेष ध्यान देते हुए इसके प्रतिस्थापन के लिए अन्य संसाधनों को विकसित करने की जिम्मेदारी बढ़ गई है। ऊर्जा के अपव्यय को कम करने, ऊर्जा बचाने और इसके संरक्षण के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए ही देश में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। यह दिवस प्रतिवर्ष एक खास विषय के साथ कुछ लक्ष्यों तथा उद्देश्यों को मद्देनजर रखते हुए लोगों के बीच इन्हें अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस के आयोजन का मुख्य उद्देश्य ऊर्जा के अनावश्यक उपयोग को न्यूनतम करते हुए लोगों को मानवता के सुखद भविष्य के लिए ऊर्जा की बचत के लिए प्रेरित करना ही है।

विद्युत मंत्रालय द्वारा देश में ऊर्जा संरक्षण की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए शुरू किया गया राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण अभियान' एक राष्ट्रीय जागरूकता अभियान है। देश में ऊर्जा संरक्षण तथा कुशलता को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 1977 में केन्द्र सरकार द्वारा पैट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान एसोसिएशन का गठन किया गया था। ऊर्जा दक्षता और ऊर्जा संरक्षण के महत्व के बारे में आम जनता में जागरूकता बढ़ाने के लिए वर्ष 2001 में एक अन्य संगठन ऊर्जा दक्षता ब्यूरो' स्थापित किया गया। ब्यूरो का कहना है कि प्रत्येक व्यक्ति छोटे-छोटे कदम उठाकर अपने घर अथवा कार्यालय में लाईट, पंखे, हीटर, कूलर, एसी तथा बिजली के अन्य किसी भी उपकरण के अनावश्यक उपयोग पर नियंत्रण करते हुए ऊर्जा की बचत कर सकता है। अपनी पुस्तक प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से उल्लेख किया है कि किस प्रकार छोटे-छोटे स्तर पर ऊर्जा संरक्षण के लिए कदम उठाकर भी प्रत्येक नागरिक देश के राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण अभियान में बहुत बड़ी मदद दे सकता है और इस प्रकार बड़ी मात्रा में ऊर्जा संरक्षण किया जा सकता है। अगर ऐसे ही कुछ छोटे उपायों का उल्लेख किया जाए तो पुराने बल्बों के स्थान पर सीएफएल या एलईडी बल्बों का इस्तेमाल किया जाए। आई.एस.आई. चिन्हित विद्युत उपकरणों का ही उपयोग करें। यथासंभव दिन के समय सूर्य की रोशनी का अधिकतम उपयोग किया जाए और जरूरत न होने पर लाइटें, पंखे, कूलर, ए.सी., हीटर, गीजर इत्यादि विद्युत उपकरण बंद रखें। खाना पकाने के लिए बिजली के उपकरणों के बजाय सोलर कुकर और पानी गर्म करने के लिए बिजली के गीजर के बजाय सोलर वाटर हीटर के उपयोग को बढ़ावा दिया जाए। भवन निर्माण के समय प्लाट के चारों ओर वृक्ष लगाए जाएं तो प्रचण्ड गर्मी में भी भवन गर्म होने से बचेंगे और कूलर, एसी इत्यादि की जरूरत कम होगी। मकानों या कार्यालयों में दीवारों पर हल्के रंगों के प्रयोग से कम रोशनी वाले बल्बों से भी कमरे में पर्याप्त रोशनी हो सकती है। इससे न केवल ऊर्जा संरक्षण अभियान में सहभागी बनकर हम भविष्य के लिए ऊर्जा बचाने में मददगार बनेंगे बल्कि अपना बिजली बिल भी सीमित रख सकेंगे।

सार्वजनिक स्थानों पर सौर लाइटों की व्यवस्था होनी चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार कार्यस्थल पर दिन के समय प्राकृतिक रोशनी में कार्य करने वाले लोगों की कार्यकुशलता में वृद्धि होती है और ऊर्जा की खपत में अपेक्षित कमी आती है, वहीं तेज कृत्रिम रोशनी वाले स्थानों पर काम करने से कर्मियों में तनाव, सिरदर्द, रक्तचाप, थकान जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं देखी जाती हैं और उनकी कार्यकुशलता पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए ऑफिस में यदि पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी का व्यवस्था हो तो इससे ऊर्जा संरक्षण होने के साथ-साथ कर्मचारियों की कार्यक्षमता भी बढ़ती है। प्रतिवर्ष देश में हजारों गैलन पानी बर्बाद होता है, इसलिए ऊर्जा संरक्षण की बात करते समय जल की बर्बादी को रोकने पर पर्याप्त ध्यान दिया जाना भी बेहद जरूरी है। न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्वपूर्ण जरूरतें पूरी करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं। ऐसी गंभीर समस्याओं और चुनौतियों से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा ऐसा बेहतरीन विकल्प है, जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के साथ-साथ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने में भी कारगर साबित होगा लेकिन ऊर्जा के संसाधन गैर-अक्षय हों या अक्षय, हमें अपने जीवन में ऊर्जा के महत्व को समझते हुए ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक होना ही होगा। देश के प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि ऊर्जा चाहे किसी भी रूप में हो, वह उसे व्यर्थ में नष्ट न करे। अपने और आने वाली पीढ़ियों के सुखद भविष्य के लिए हमें अपने व्यवहार में ऊर्जा संरक्षण की आदतों को शामिल करना ही होगा।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मोहन यादवः पीएचडी धारक और आरएसएस से जुड़े भाजपा के प्रमुख ओबीसी नेता

भोपाल/भाषा

अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से संबंध रखने वाले तीन बार के विधायक और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के करीबी माने जाने वाले नवनियुक्त मुख्यमंत्री मोहन यादव एक छात्र के रूप में अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत करने के बाद मध्य प्रदेश में शीर्ष पद पर पहुंचे हैं। उज्जैन दक्षिण से 58 वर्षीय विधायक मोहन यादव ने बुधवार को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

वह पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती, बाबूलाल गौर और शिवराज सिंह चौहान के बाद 2003 के बाद से राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चौथे ओबीसी मुख्यमंत्री हैं। वह कांग्रेस के प्रकाश चंद्र सेठी के बाद उज्जैन से ताल्लुक रखने वाले दूसरे मुख्यमंत्री भी हैं।

मुख्यमंत्री के रूप में यादव की नियुक्ति से भाजपा के दिग्गज नेता और चार बार के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के युग का अंत हो गया, जिन्होंने करीब दो दशकों तक राज्य की राजनीति पर दबदबा बनाए रखा। यादव के पास पीएचडी, एलएलबी और एमबीए की डिग्री है। वह तलवार चलाने में भी कुशल हैं। यादव मुख्यमंत्री पद के प्रमुख दावेदारों में शामिल नहीं थे। उन्हें इस पद की जिम्मेदारी देना अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों से पहले देश के अन्य हिस्सों में जनसंख्या के लिहाज से महत्वपूर्ण ओबीसी समुदाय पर प्रभाव हासिल करने की भाजपा की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। मध्य प्रदेश की आबादी में ओबीसी की हिस्सेदारी 48 प्रतिशत से अधिक है और यह भगवा पार्टी का मुख्य मतदाता आधार है। वह पहली बार 2020 में मंत्री बने जब कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के पतन के बाद भाजपा सत्ता में वापस आई।

यादव का जन्म 25 मार्च, 1965 को उज्जैन में हुआ था। उज्जैन में 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर है। उन्होंने 1982 में माधव साइंस कॉलेज उज्जैन के संयुक्त सचिव के रूप में अपना राजनीतिक जीवन शुरू किया और 1984 में इसके अध्यक्ष के रूप में चुने गए। यादव ने एलएलबी और एमबीए की डिग्री के अलावा डॉक्टरेट (पीएचडी) की डिग्री भी हासिल की। हिंदूवादी संगठन के एक पदाधिकारी ने कहा कि यादव युवा अवस्था से ही आरएसएस से जुड़े रहे और 1993 से 1995 तक वह उज्जैन शहर में इसके पदाधिकारी थे।

विभाजन के समर्थक देश की अखंडता को दे रहे चुनौती : आरके सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। इंटरनेशनल दिव्य परिवार सोसायटी और भारत अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक केंद्र गुरुग्राम के तत्वाधान में नई दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब के डिप्टी स्पीकर हॉल में चाणक्य वार्ता प्रकाशन समूह द्वारा प्रकाशित साहित्यकार, पत्रकार और समाजसेवी लक्ष्मीनारायण भाला की पुस्तक 'संविधान की जन्मकथा' का विमोचन समारोह आयोजित किया गया। पुस्तक का लोकार्पण मुख्य अतिथि केन्द्रीय विद्युत, नवीन एवं नवीनीकरण ऊर्जा मंत्री आर.के. सिंह द्वारा किया गया। अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री ने जनता से राष्ट्र की एकता और अखंडता को चुनौती देने वाले असामाजिक सोच वाले लोगों से सचेत रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि चिंता का विषय है कि जिन लोगों ने 1947 में विभाजन की मांग की थी, उनमें से 95 प्रतिशत आज भी भारत में हैं, जो राष्ट्र की एकता और अखंडता को चुनौती दे रहे हैं। देश को क्षेत्र, पंथ, जाति और नौकरी में आरक्षण के नाम पर बांटने की कोशिश की जा रही है जबकि भारतीय संविधान में सभी को समान अधिकार दिए गए हैं। भाला जी की पुस्तक की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को यह जानकारी होनी चाहिए कि वर्तमान संविधान में क्या-क्या प्रावधान हैं और उसका निर्माण किन परिस्थितियों में हुआ? समारोह के अतिविशिष्ट अतिथि, वाजपेयी सरकार में केंद्रीय मंत्री रहे सत्यनारायण जटिया ने कहा कि भारत को आजाद हुए 75 साल हो गए हैं और इस दौरान भारतीय लोकतंत्र में क्या हुआ, इसे देश की जनता से ज्यादा कौन जानता है? पुस्तक के बारे में उन्होंने कहा कि यह पुस्तक साधारण नहीं बल्कि असाधारण है। आरएसएस के अखिल भारतीय संपर्क प्रमुख रामलाल ने चाणक्य वार्ता प्रकाशन समूह के सम्पादक डा. अमित जैन की प्रशंसा तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने एक और शानदार पुस्तक का प्रकाशन किया है। पुस्तक विमोचन समारोह को पुस्तक के लेखक लक्ष्मीनारायण भाला, सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष डा. आदीश अग्रवाल, राज्यसभा के पूर्व महासचिव एवं भारत अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक केंद्र के चेयरमैन डा. योगेन्द्र नारायण ने भी संबोधित किया। समारोह का संचालन करते हुए डा. अमित जैन ने कहा कि आजादी के बाद से संविधान में जारी छेड़छाड़ के बारे में बाबा साहेब डॉ आंबेडकर ने आगाह किया था कि यदि संविधान का दुरुपयोग हुआ तो इसे सबसे पहले जलाने वाला व्यक्ति मैं ही रहूंगा। यह पुस्तक उनकी आत्मा को यह विश्वास दिलाती है कि सही हाथों से पुनर्लेखन होकर संविधान की गरिमा बनाए रखेगी।

समारोह में पद्मश्री डा. जगमोहन सिंह राजपूत, पद्मश्री कंवल सिंह चौहान, दीनदयाल उपाध्याय दर्शन के शोध कर्ता डा. महेश चंद्र शर्मा, भाजपा के पूर्व उपाध्यक्ष श्याम जाजू, ओड़िशी नृत्य गुरु शुभदा वराडकर, पूर्व डीजीपी एस.के भगत, आईसीएआर के कुलपति डा. अशोक कुमार सिंह, अधिवक्ता सर्वजीत सांगवान सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

इस असाधारण कठिन समय में हमारी चुनौती सही संतुलन बनाना है: कंबोज

संयुक्त राष्ट्र/भाषा

गाजा में मानवीय मदद सुनिश्चित करने के लिए तत्काल युद्धविराम का समर्थन करते हुए भारत ने कहा है कि ''इस असाधारण मुश्किल समय में'' ''उचित संतुलन'' बनाना एक चुनौती है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के आपातकालीन विशेष सत्र में मिस्र द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव को मंगलवार को अभूतपूर्व समर्थन से पारित किया गया। वैश्विक निकाय के 193 सदस्यों में से भारत समेत 153 सदस्यों ने प्रस्ताव के समर्थन में और 10 सदस्य देशों ने इसके विरोध में मतदान किया जबकि 23 अन्य सदस्य अनुपस्थित रहे। प्रस्ताव के विरोध में मतदान करने वालों में ऑस्ट्रिया, इजराइल और अमेरिका शामिल थे जबकि जर्मनी, हंगरी, इटली, यूक्रेन और ब्रिटेन मतदान में भाग नहीं लेने वाले देशों में शामिल थे। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने मतदान के बाद कहा, ''भारत ने महासभा द्वारा अभी अपनाए गए प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया है।'' अल्जीरिया, बहरीन, इराक, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और फलस्तीन भी इस प्रस्ताव के प्रायोजकों में शामिल रहे। इस प्रस्ताव में गाजा में मानवीय मदद की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए तत्काल युद्ध विराम की मांग की गई। इस प्रस्ताव में यह मांग दोहराई गई कि सभी पक्ष ''विशेष रूप से नागरिकों की सुरक्षा के संबंध में'' अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपने दायित्वों का पालन करें।

प्रस्ताव में ''सभी बंधकों की तत्काल और बिना शर्त रिहाई के साथ-साथ मानवीय मदद की आपूर्ति सुनिश्चित करने'' की भी मांग की गई। यूएनजीए द्वारा प्रस्ताव को अपनाने के बाद भारत ने इस तथ्य का स्वागत किया कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस समय इस क्षेत्र के सामने मौजूद कई चुनौतियों का समाधान करने के लिए ''समान आधार'' खोजने में सक्षम रहा। कंबोज ने कहा, ''इस असाधारण कठिन समय में हमारी चुनौती सही संतुलन बनाना है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय जिन चुनौतियों का सामना कर रहा है, उसकी गंभीरता और जटिलता को संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के अनुच्छेद 99 को महासचिव द्वारा लागू कर रेखांकित किया गया है।'' नागरिकों को नुकसान से बचाए जाने का उल्लेख करते हुए गुतारेस ने संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 99 का पिछले सप्ताह उपयोग किया, जिसमें कहा गया है कि महासचिव यूएनएससी को उन मामलों के बारे में सूचित कर सकते हैं जो उन्हें लगता है कि अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए खतरा हैं।

मप्र में धार्मिक स्थलों पर स्वीकार्य सीमा से तेज लाउडस्पीकर बजाने पर रोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल। मध्यप्रदेश के नये मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बुधवार को एक निर्देश जारी कर धार्मिक स्थलों पर स्वीकार्य डेसिबल स्तर से अधिक लाउडस्पीकर बजाने पर रोक लगा दी है। अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) डॉ. राजेश राजोरा ने पीटीआई-भाषा को बताया कि सुबह पद एवं गोपनीयता की शपथ लेने वाले यादव की ओर से जारी किया गया यह पहला आदेश है। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय एवं राष्ट्रीय हरित अधिकरण के आदेशों के आधार पर लाउडस्पीकर के इस्तेमाल के लिए दिशा निर्देश भी तत्काल कार्यान्वयन के लिए जारी किए गए थे। अधिकारी ने कहा कि धार्मिक स्थलों पर संगीत बजाने वाले लाउडस्पीकर और डीजे सिस्टम के ध्वनि स्तर की निगरानी के लिए प्रत्येक जिले में एक उड़नदस्ते की तैनाती की जायेगी ।

उपमुख्यमंत्री शुक्ला : पांच बार के विधायक को मप्र में भाजपा के जातीय गणित के तहत दिया गया पद

भोपाल/दक्षिण भारत। मध्य प्रदेश के नवनियुक्त उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि वाले पांच बार के विधायक हैं। वह विंध्य क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक प्रमुख ब्राह्मण नेता हैं। वह छात्र राजनीति में भी सक्रिय रहे थे। भाजपा विधायक दल के नेता और उज्जैन दक्षिण से विधायक मोहन यादव ने बुधवार को यहां लाल परेड ग्राउंड में एक भव्य समारोह में मध्य प्रदेश के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

ब्राह्मण समुदाय से ताल्लुक रखने वाले शुक्ला और दलित समुदाय से आने वाले जगदीश देवड़ा को भी राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। सिविल इंजीनियर शुक्ला उन तीन मंत्रियों में शामिल थे, जिन्हें नवंबर 2023 के विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले शिवराज सिंह चौहान कैबिनेट में शामिल किया गया था। 2023 के चुनाव में भाजपा ने शानदार जीत दर्ज की और सत्ता बरकरार रखी। यादव और देवड़ा की तरह 59 वर्षीय शुक्ला ने अपना करियर एक छात्र नेता के रूप में शुरू किया था। उन्होंने 1986 में रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रसंघ के अध्यक्ष पद के लिए चुनाव जीता और फिर भाजपा के साथ राजनीति में प्रवेश किया।

पिछले महीने के विधानसभा चुनाव में, उन्होंने राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण विंध्य क्षेत्र के केंद्र रीवा से कांग्रेस उम्मीदवार राजेंद्र शर्मा को 21,000 से अधिक मतों से हराकर विधानसभा में पांचवीं बार जीत हासिल की। भाजपा में विभिन्न पदों पर रहने के बाद, शुक्ला पहली बार 2003 में रीवा से विधायक चुने गए।

मैराथन

मुंबई में प्रसिद्ध टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और बॉलीवुड अभिनेत्री गुल पनाग बुधवार को मुंबई में 'टाटा मुंबई मैराथन 2024' के अवसर पर।

मोदी ने संसद हमले के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद हमले के शहीदों को बुधवार को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा कहा कि उनका साहस और बलिदान देश की स्मृति में हमेशा अंकित रहेगा।मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, ''आज, हम 2001 में संसद हमले में शहीद हुए बहादुर सुरक्षाकर्मियों को याद करते हैं और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि देते हैं। खतरे का सामना करते हुए उनका साहस और बलिदान हमेशा हमारे देश की स्मृति में अंकित रहेगा।''

प्रधानमंत्री ने संसद हमले की वर्षगांठ पर संसद भवन में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में हिस्सा भी लिया।

स्मृति ईरानी को जैकी श्रॉफ से मिला डाइट चार्ट

मुंबई/एजेन्सी

पूर्व अभिनेत्री और मौजूदा केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने खुलासा किया है कि अभिनेता जैकी श्रॉफ से उन्हें खाने के बारे में कुछ सलाह मिली है। स्मृति ने सोशल मीडिया पर जैकी के साथ कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिसमें दोनों को बातचीत करते देखा जा सकता है। स्मृति ने काले और सुनहरे रंग की प्रिंटेड साड़ी पहनी हुई है, जबकि जैकी ने पूरी तरह से काले रंग की पोशाक पहनी है। उन्होंने प्रोड्यूसर जेडी मजेठिया के साथ भी एक तस्वीर शेयर की है। कैप्शन में, 'थोड़ी सी ज़मीन थोड़ा सा आसमान' की अभिनेत्री ने अनोखे अंदाज में लिखा: डाइट की सलाह के दो प्रकार – मेहनत बहुत, बट नो चमत्कार। बिदु वजन कम कर.. फिट रह फैट मत हो रे, अंडा खा, बैंगन खा, ब्रेड मत खा रे.. बहन वजन कम कर... डाइट कर किसी को पता नहीं चलेगा। उन्होंने अपनी पोस्ट को इटस माई लाइफ का संगीत दिया।

प्रशंसकों ने लिखा: आपका सेंस ऑफ ह्यूमर गजब का है, बहुत अच्छी लग रही हैं स्मृति मैम, आप कितनी सुंदर महिला हैं। बता दें कि जैकी के पास एक ऑर्गेनिक फार्म है, जहां वह पौधे, पेड़ और जड़ी-बूटियां उगाते हैं। वह अपने स्वस्थ खाद्य व्यंजनों जैसे 'बैंगन भर्ता', 'करी पत्ते के साथ अंडे', 'कांदा भिंडी' और अन्य के लिए सोशल मीडिया पर भी वायरल हैं। अभिनेता को अक्सर सार्वजनिक समारोहों और कार्यक्रमों में एक छोटा पौधा पकड़े हुए देखा जाता है।

यूरोप में 'वड़ा पाव' बिकते देख जब हैरान रह गए अमिताभ बच्चन

नई दिल्ली/एजेन्सी

'कौन बनेगा करोड़पति 15' को होस्ट कर रहे मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने बताया कि कैसे महाराष्ट्र का सबसे पसंदीदा व्यंजन 'वड़ा पाव' यूरोप के बुल्गारिया में प्रसिद्ध है। क्विज बेस्ड रियलिटी शो के एपिसोड 86 में, होस्ट अमिताभ ने महाराष्ट्र के नंदुरबार से दिलीप मोहन शिम्पी का हॉट सीट पर स्वागत किया। 2,000 रुपये के लिए, कंटेस्टेंट से सवाल पूछा गया: इनमें से किस मेन इनग्रेडिएंट्स में एक प्रकार की ब्रेड और आलू शामिल हैं? दिए गए विकल्प थे – जलेबी, वड़ा पाव, पुलाव और रवा इडली। सही उत्तर 'वड़ा पाव' था। 'डॉन' अभिनेता ने आगे कहा, '''वड़ा पाव' एक टेस्टी नाश्ता है, सर। महाराष्ट्र में, कोई भी पूरा जीवन केवल 'वड़ा पाव' पर ही जीवित रह सकता है, खासकर मुंबई में।'' 81 वर्षीय अभिनेता ने आगे एक किस्सा सुनाया और साझा किया: '''वड़ा पाव' केवल मुंबई में ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में एक लोकप्रिय नाश्ता है। कुछ साल पहले मैं एक फिल्म की शूटिंग के लिए बुल्गारिया गया था। बुल्गारिया यूरोप में है। मैंने वहां बुल्गारिया में 'वड़ा पाव' बिकते देखा। अमिताभ ने कहा, ''मैंने उनसे पूछा कि यह क्या है। उन्होंने मुझे अपनी भाषा में बताया 'यह टेस्टी है और यहां काफी पॉपुलर है।' मैंने उनसे पूछा, 'यह किसने बनाया है?' उन्होंने कहा, 'यहां एक देसी इन्हें बनाता है।' और उन्होंने इसका आनंद उठाया। विदेशी लोग बड़े चाव से खा रहे थे 'वड़ा पाव'।

रजनीकांत के साथ 'वेट्टैयन' में काम करेंगे अमिताभ बच्चन

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन , दक्षिण भारतीय फिल्मों के महानायक रजनीकांत के साथ फिल्म वेट्टैयनमें काम करते नजर आयेंगे। हाल ही में रजनीकांत की अगली फिल्म थलाइवर 170 की घोषणा की गई है। फिल्म 'थलाइवर 170' को आखिरकार एक टाइटल मिल गया है। टीजे ग्रानवेल द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म का नाम 'वेट्टैयन' रखा गया है।

प्रोडक्शन बैनर लाइका प्रोडक्शंस ने टाइटल टीजर वीडियो में फिल्म के नाम का खुलासा किया है।फिल्म के टाइटल टीजर क्लिप में रजनीाकांत स्टाइलिश रूप से काले धूप के चश्मे लगाए हुए दिखाई दे रहे हैं और कह रहे हैं, जब शिकार जारी है, तो शिकार को गिरना ही चाहिए। इसके बाद शुबा द्वारा लिखित और गाया गया एक छोटा रैप है, जिसे अनिरुद्ध रविचंदर द्वारा संगीतबद्ध किया गया है। अमिताभ बच्चन और रजनीकांत ने अंतिम बार वर्ष 1991 में प्रदर्शित फिल्म हम में काम किया था। इससे पहले दोनों कलाकारों फिल्म अंधा कानून (1983) और गिरफ्तार (1985) में स्क्रीन शेयर कर चुके हैं।

फिल्म 'जीना इसी का नाम है' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार यश कुमार की आने वाली फिल्म जीना इसी का नाम है का ट्रेलर रिलीज हो गया है। दीपक के बजाज प्रोडक्शन प्रस्तुत भोजपुरी फिल्म जीना इसी का नाम है का ट्रेलर कैप्टन वाच हिट के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल से रिलीज हुआ है। फिल्म की केन्द्रीय भूमिका में यश कुमार, श्रुति राव और देव सिंह नज़र आ रहे हैं। इस फिल्म के निर्माता दीपक बजाज और निर्देशक चंदन सिंह हैं। इस फिल्म को लेकर दीपक बजाज ने कहा कि यह बड़े बजट की फिल्म है और इसका निर्माण भव्यता के साथ किया गया है। फिल्म भोजपुरी दर्शकों को बेहद पसंद आने वाली है।

वहीं, यश कुमार ने फिल्म जीना इसी का नाम है को लेकर कहा कि यह फिल्म हमारे समाज के बीच की कहानी को चरितार्थ करने वाली फिल्म है। फिल्म में मेरे किरदार में वेरिएशन देखने को मिलेगा। मैंने अपने हिस्से की स्क्रीन टाइम बखूबी जिया है।इसलिए उम्मीद करता हूं कि दर्शक हमारी फिल्म को देखें और प्यार दें। साथ ही इस फिल्म पर अपनी प्रतिक्रिया से भी हमें अवगत करायें।यह फिल्म हर मायने में मनोरंजक है। फिल्म के गाने और संवाद की अपनी खूबसूरती है सबों ने इस फिल्म में अपना बेस्ट देने की कोशिश की है, तब जाकर हम आज एक मजेदार फिल्म लेकर अपने दर्शकों के समक्ष आये हैं। उम्मीद है प्यार और आशीर्वाद मिलेगा।

फिल्म जीना इसी का नाम है में यश कुमार, श्रुति राव, काजल सिंह, विनोद मिश्रा, अनिता रावत, देव सिंह, सुबोध सेठ, राधे कुमार, समर्थ चतुर्वेदी प्रमुख भूमिका में हैं। इसके संगीतकार साजन मिश्रा और भरत चौहान हैं। गीतकार आशुतोष तिवारी, धरम हिंदुस्तानी और अनुपम पाठक हैं।

मैं हमेशा खुद को क्रॉस-चेक करती रहती हूं : कैटरीना

नई दिल्ली/एजेन्सी

एक्ट्रेस कैटरीना कैफ ने शेयर किया कि काम के प्रति उनका दृष्टिकोण यह है कि वह हमेशा मानती हैं कि उन्हें और ज्यादा मेहनत करनी है। वह लगातार खुद को क्रॉस-चेक करती रहती हैं कि वह जो भी कर रही हैं वह सही है या नहीं। कैटरीना ने 2005 में अमिताभ बच्चन अभिनीत फिल्म 'सरकार' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। हिंदी सिनेमा में 18 साल लंबे सफर के दौरान क्या ऐसे क्षण आए, जब एक्ट्रेस को लगा कि वह कुछ और दे सकती हैं? कैटरीना ने कहा, मुझे लगता है कि अपने काम के प्रति मेरा दृष्टिकोण यह है कि मैं हमेशा मानती हूं कि मुझे और अधिक देना होगा। मैं हर पल में पर्याप्त नहीं दे रही हूं। मैं हमेशा खुद तो क्रॉस-चेक करती रहती हूं कि क्या मैं एक्सीलेंट बनने के लिए, बेस्ट बनने के लिए जो कुछ भी कर सकती हूं वह कर रही हूं। आप जानते हैं, मेरे लिए, मेरा बिलीफ सिस्टम यह है कि क्या मैं कल से बेहतर हूं?'' एक्ट्रेस, जिनकी लेटेस्ट रिलीज 'टाइगर 3' है, ने कहा कि कंपटीशन हाई है, लेकिन मेरा फोकस खुद को बेहतर बनाने पर है। 'एक था टाइगर' की एक्ट्रेस ने कहा, यह मेरे लिए यह देखने के बारे में नहीं है कि मेरे आसपास कौन क्या कर रहा है। निःसंदेह, यह महत्वपूर्ण है, कि क्या मैं खुद को बेहतर बना रही हूं? अगर मैं खुद को बेहतर बना रही हूं और एक कलाकार और अभिनेता के रूप में आगे बढ़ रही हूं, तो मैं सही रास्ते पर हूं।'' एक्ट्रेस अपनी हर फिल्म को दिल से पसंद करती हैं। कैटरीना ने कहा, मैं हमेशा कहती हूं कि अगर आपके पास देने के लिए कुछ नहीं है, तभी आपको एक अभिनेता के रूप में रुक जाना चाहिए। एक्ट्रेस ने कहा, एक अभिनेता के रूप में, आपके पास उस फिल्म को देने के लिए कुछ है। यह चीज एनरजेटिक है। यह एनरजेटिक कनेक्शन और इमोशन है। यह या तो पूरी तरह से है या बिल्कुल नहीं है। मुझे लगता है कि काम में बिजी रहना चाहिए, ताकि आप डीप लेवल पर जुड़े रहने में सक्षम हो सकें।''

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

‘व्यवसाय की गला काट प्रतिस्पर्धा में व्यापारिक उन्नति तथा अर्थ के लोभ में आज का व्यवसायी व्यवसायिक सामंजस्य व मर्यादाओं को भूलता जा रहा है और कभी कभी तो व्यापारी को मानसिक तनावों से भी गुजरना पड़ता है।

जात्रा उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के मैसूरु रोड स्थित कन्नड़िरगा रक्षणा वेदिके एवं केंपेगौड़ा यूथ फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा आयोजित हुलिऊरामा देवी के जात्रा उत्सव का आयोजन किया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मारुति मेडिकल के प्रमुख व समाजसेवी महेन्द्र मुणोत उपस्थित थे। मुणोत ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कर्नाटक की संस्कृति व सभ्यता की जानकारी दी।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के मागड़ी रोड़ अग्रहारा दासरहल्ली स्थित रामदेव प्रार्थना मंदिर में बुधवार को सीरवी समाज योगमाया मंदिर उज्ज्ैन ट्रस्ट के अध्यक्ष रामलाल सेंणचा का रामदेव मंदिर के संरक्षक इन्द्रलाल सोलंकी, अध्यक्ष चेतन सीरवी, उपाध्यक्ष वेनाराम सीरवी, दीपक राठौड़ ने सम्मान किया। बेंगलूरु प्रवास पर आए रामलाल सेंणचा ने समाज के राष्ट्रीय संस्थानों के विकास के मुद्दे पर समाज के लोगों से गहन चर्चा की।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूर के चन्द्रप्रभु कामधेनु गौशाला के चामराजपेट कार्यालय में दो मुमुक्षु सोनू ठोकल और सरस्वती शर्मा का सम्मान किया गया। ज्ञातव्य है कि दोनों मुमुक्षुओं की दीक्षा साध्वी श्री रिद्धिमाजी की निश्रा में 22 फरवरी को नासिक में होगी। कामधेनु गौशाला की चेयरपर्सन शारदा चौधरी, अध्यक्ष पुष्पा बोहरा, मंत्री नंदा मेहता, प्रभा सालेचा ने दोनों मुमुक्षुओं का सम्मान किया। इस कार्यक्रम में चन्द्रप्रभु गौशाला के प्रमुख प्रवीण ओस्तवाल आदि उपस्थित थे ।

हुब्बल्ली नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। यहां दक्षिण पश्चिम रेल (दपरे) मुख्यालय के क्षेत्रीय प्रधान कार्यालय ‘रेल सौधा’ में 12 दिसम्बर को दपरे के महाप्रबंधक संजीव किशोर की अध्यक्षता में हुब्बल्ली नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) की 64वीं बैठक हुई। इस बैठक में हुब्बल्ली नगर में स्थित केंद्रीय सरकारी कार्यालयों, राष्ट्रीयकृत बैंकों एवं सार्वजनिक उपक्रमों के कार्यालय प्रमुख एवं प्रतिनिधि उपस्थित हुए।

बैठक के आरंभ में हुब्बल्ली नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के उपाध्यक्ष एवं दपरे के प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक सह मुख्य राजभाषा अधिकारी, दक्षिण पश्चिम रेलवे ने समिति के अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक/दपरे, उप निदेशक, कार्यान्वयन तथा नराकास के सदस्य कार्यालयों के प्रमुखों एवं प्रतिनिधियों का स्वागत किया और बैठक में उपस्थित सदस्यों को सम्बोधित किया। दपरे के राजभाषा अधिकारी और नगर राजभाषा कार्यान्वय समिति के सदस्य-सचिव मो. नुरुद्दीन ने सदस्य कार्यालयों से प्राप्त राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित रिपोर्टों के आधार पर एक समेकित समीक्षा रिपोर्ट समिति के समक्ष प्रस्तुत की जिस पर समिति द्वारा विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। गृह मंत्रालय की ओर से उप निदेशक, कार्यान्वयन कार्यालय (दक्षिण), राजभाषा विभाग, बेंगलूरु के अनिर्बान कुमार बिश्वास भी इस बैठक में उपस्थित हुए और राजभाषा कार्यान्यवयन और इसके उत्तरोत्तर प्रयोग प्रसार हेतु अपना मार्गदर्शन भी दिया।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में अध्यक्ष संजीव किशोर ने कहा कि भारत सरकार की राजभाषा नीति प्रेरणा एवं प्रोत्साहन पर आधारित है। उन्होंने कार्यालयों में राजभाषा का अनुकूल वातावरण बनाने के लिए अपने-अपने स्तर पर राजभाषा की गतिविधियां जैसे टेबल ट्रेनिंग, कार्यशालाएं और हिंदी में भी तकनीकी व्याख्यान जैसे कार्यक्रम करते रहने की बात कही। उन्होंने राजभाषा के अनुपालन में पाई गई कमियों को दूर करने का प्रयास करने की और हिंदी में किए गए उत्कृष्ट कार्यों का इस मंच से उल्लेख करने की बात भी कही। बैठक के दौरान समिति के अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक/दपरे ने हुब्बल्ली नराकास के तत्वावधान में सदस्य कार्यालयों द्वारा आयोजित हिंदी की विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को नगद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए।

अध्यक्ष ने हिंदी के कार्यान्वयन में उल्लेखनीय कार्य करने वाले सदस्य कार्यालयों को शील्ड एवं प्रमाण पत्र से सम्मानित कर उन्हें बधाई भी दी। केनरा बैंक राजभाषा प्रबंधक डीएम सातपूते ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

दंपति संदिग्ध परिस्थितियों में मृत मिले

उडुप्पी/दक्षिण भारत। कर्नाटक के उडुप्पी जिले में एक समाज-सेवी व्यक्ति और उनकी पत्नी अपने आवास पर संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाए गए। पुलिस ने बुधवार को बताया कि मृतकों की पहचान 68 वर्षीय लीलाधर शेट्टी और 58 वर्षीय वसुंधरा शेट्टी के रूप में की गई है। दंपति के शव कापू कस्बे में उनके आवास पर लटके हुए पाए गए।लीलाधर शेट्टी एक प्रसिद्ध कलाकार थे और उन्होंने रंगतरंगा थिएटर समूह की स्थापना की थी। उन्हें लीलान्ना के नाम से जाना जाता था। इस जोड़े को समाज में उनके योगदान के लिए कई पुरस्कार भी मिले थे। पुलिस को संदेह है कि दोनों ने आत्महत्या की होगी और दंपति द्वारा यह कदम उठाने का कारण पारिवारिक विवाद हो सकता है। सूत्रों ने यह भी बताया कि पुलिस को दंपति द्वारा लिखा गया एक सुसाइड नोट भी मिला है।

‘सरलता से ही धर्म और धर्म से ही आत्मकल्याण संभव’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्रदुर्गा। बेंगलूरु से दावणगेरे की ओर विहार करते हुए रास्ते में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि जिस प्रकार पत्थर पर खेती नहीं हो सकती है, इसी प्रकार जीवन में यदि पाप के मार्ग पर चले और कठोरता के साथ रहे तो विनम्रता और सरलता नहीं आ सकती है और सम्यक दर्शन भी प्राप्त नहीं होता है। जिस प्रकार नरम मिट्टी पर बीजारोपण करें तो फसल उगाई जा सकती है ठीक उसी प्रकार जीवन में सरलता को आत्मसात करें तो धर्म को प्राप्त कर सकते हैं और आत्मकल्याण का मार्ग प्राप्त कर सकते हैं। साध्वी शीतलगुणाश्रीजी ने कहा कि आत्मा का स्वभाव ऊपर उठने का होता है परंतु पाप कर्मों के कारण आत्मा चारों गति में परिभ्रमण कर भटकती रहती है। आत्मा परमात्मा को ढूंढने के लिए प्रयत्न करती रहती है। परमात्मा को खोजना नहीं अपितु परमात्मा में खो जाने पर हमारी आत्मा का कल्याण हो सकता है। पारस भंसाली ने बताया कि साध्वीवृंद गुरुवार को सुबह चित्रदुर्ग जैन संघ मे पहुंचेंगी।

लोकसभा में कूदने वाले व्यक्ति के पिता ने कहा-

‘अगर मेरे बेटे ने गलत किया है तो उसे फांसी दे दो’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। संसद में सुरक्षा चूक के एक बड़े मामले में लोकसभा कक्ष में कूदने वाले दो व्यक्तियों में से एक मनोरंजन के पिता ने कहा कि ‘अगर मेरे बेटे ने गलत किया है तो उसे फांसी दे दो।’ संसद में कूदकर अफरातफरी मचाने वाले मनोरंजन डी. के पिता देवराज गौड़ा ने दावा किया कि उनका बेटा ईमानदार और सच्चा है तथा हमेशा समाज के लिए अच्छा करना चाहता है। गौड़ा ने संवाददाताओं से कहा, अगर मेरा बेटा अच्छा करता है तो ठीक है लेकिन अगर उसने कुछ गलत किया है तो उसे फांसी दे दो। (अगर उसने गलत किया है) वह मेरा बेटा नहीं है। वह संसद हमारी है। आप जैसे लोगों ने ही इसे बनाया है। इसे बनाने में महात्मा गांधी, नेहरू जैसे नेताओं ने कड़ी मेहनत की थी। जो कोई भी यह (हमला) करता है वह निंदनीय है। हम इसे स्वीकार नहीं करेंगे।

उन्होंने कहा, मेरा बेटा एक अच्छा लड़का है। वह ईमानदार और सच्चा है। उसकी एकमात्र इच्छा समाज के लिए अच्छा करना और समाज के लिए बलिदान देना है। वह स्वामी विवेकानंद की किताबें पढ़ता था। मुझे लगता है कि इन किताबों को पढ़ने के बाद उसके मन में ऐसे विचार विकसित हुए।

गौड़ा ने कहा, ‘‘यह समझना मुश्किल है कि उसके दिमाग में क्या चल रहा था। मेरे बेटे ने 2016 में बीई (बैचलर इन इंजीनियरिंग) पूरा किया और खेती का काम देख रहा था। उसने दिल्ली और बेंगलूरु में कुछ कंपनियों में भी काम किया है।’’

मैसूरु का रहने वाला मनोरंजन और एक अन्य व्यक्ति सागर शर्मा लोकसभा की कार्यवाही के दौरान दर्शक दीर्घा से सदन के भीतर कूद गए, जिससे संसद में अफरातफरी मच गई। सांसदों द्वारा पकड़े जाने से पहले दोनों ने नारे भी लगाए।

राजभवन में बम होने संबंधी फोन करने वाला व्यक्ति गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में राजभवन परिसर के अंदर बम रखे होने संबंधी फर्जी फोन कॉल करने वाले व्यक्ति को चित्तूर से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान कोलार जिले के मुलबागल तालुक के वडाहल्ली गांव के निवासी भास्कर (34) के रूप में हुई है। वह बी. कॉम स्नातक है तथा खेती करता है। पुलिस ने बताया कि 11 दिसंबर की रात एक फोन कॉल आया, जिसमें दावा किया गया कि यहां राजभवन परिसर के अंदर बम लगाया गया है जिसमें कभी भी विस्फोट हो सकता है।

पुलिस ने राज्यपाल के आधिकारिक आवास के चारों ओर गहन जांच की और अंत में इस निष्कर्ष पर पहुंची कि यह एक फर्जी फोन कॉल था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक, जांच से पता चला कि आरोपी सोमवार रात बेंगलूरु आया था और राजभवन से गुजरते समय उसने गूगल पर राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के नियंत्रण कक्ष का संपर्क नंबर खोजा और राजभवन परिसर के अंदर बम होने का दावा करते हुए फोन कॉल किया।

अधिकारी ने बताया कि इस फोन के बाद बम होने की धमकी के बारे में शहर की पुलिस को तुरंत सतर्क किया गया और आवश्यक कार्रवाई की गई। बाद में गहन जांच से पता चला कि बम की धमकी वाला फोन एक फर्जी फोन कॉल था। उन्होंने बताया कि शुरुआत में पता चला कि फोन बीदर से किया गया था और कथित कॉल के बाद मोबाइल फोन बंद पाया गया। हालांकि, बाद में पुलिस ने फोन करने वाले व्यक्ति को चित्तूर में ढूंढ लिया। अधिकारी ने बताया कि आरोपी भास्कर को मंगलवार रात गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया, आरोपी ने परिणाम जाने बिना, जिज्ञासावश फोन कॉल किया। हमने उसकी पृष्ठभूमि की जांच की और पाया कि उसका पिछला कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। हमने उसके खिलाफ मामला दर्ज किया और मंगलवार को शाम में उसे गिरफ्तार कर लिया।

गगनयान मिशन के लिए ईसीएलएसएस खुद विकसित करेगा इसरो : सोमनाथ

बेंगलूरु/पणजी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने बुधवार को कहा कि आगामी मानव युक्त अंतरिक्ष मिशन ’गगनयान’ के लिए ‘पर्यावरण नियंत्रण एवं जीवन समर्थन प्रणाली’ (ईसीएलएसएस) अन्य देशों से नहीं मिलने के बाद अंतरिक्ष एजेंसी ने इसे खुद विकसित करने का फैसला किया है। गगनयान परियोजना के अंतर्गत इसरो एक मानव चालक दल को 400 किलोमीटर ऊपर पृथ्वी की कक्षा में भेजेगा और फिर उन्हें सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाने के लिए समुद्र में उनकी लैंडिंग कराई जाएगी। गगनयान को 2025 में प्रेक्षपित किए जाने की उम्मीद है।

सोमनाथ ने कहा, ’हमें पर्यावरण नियंत्रण एवं जीवन समर्थन प्रणाली को विकसित करने का अनुभव नहीं है। हम सिर्फ और सिर्फ रॉकेट और उपग्रह की रचना करते हैं। हमने सोचा था कि इस तरह की जानकारी को दूसरे देशों से प्राप्त कर लेंगे लेकिन दुर्भाग्यवश ढेर सारी चर्चाओं के बाद भी कोई देश हमें ये देने का इच्छुक नहीं है।’

सोमनाथ गोवा के विज्ञान, पर्यावरण एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम ’मनोहर पर्रिकर विज्ञान महोत्सव 2023’ के 5वें संस्करण को संबोधित कर रहे थे।

जेबीएन सदस्य विकास के सफर के सारथी : प्रमोद बाफना

जेबीएन टाइकूंस की बैठक सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। ‘व्यवसाय की गला काट प्रतिस्पर्धा में व्यापारिक उन्नति तथा अर्थ के लोभ में आज का व्यवसायी व्यवसायिक सामंजस्य व मर्यादाओं को भूलता जा रहा है और कभी कभी तो व्यापारी को मानसिक तनावों से भी गुजरना पड़ता है। ऐसे समय में भी जीतो के जेबीएन समूह अपने साथी सदस्य के व्यवसायिक सफर में सारथी की भूमिका निभाते है।’ यह बात जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के सचिव व जेबीएन संयोजक प्रमोद बाफना ने जीतो नॉर्थ के जेबीएन टाइकूंस की बैठक में कही। उन्होंने कहा कि साथी सदस्यों की व्यवसायिक प्रगति की प्रतिबद्धता से आकर्षित होकर निरंतर रूप से व्यवसायी जेबीएन से जुड़ते जा रहे है और विशेष रूप से युवाओं में जेबीएन से जुड़ने का आकर्षण ज्यादा है।

बैठक की शुरुआत मंगलाचरण से हुई। टाइकूंस अध्यक्ष बसंत बेताला ने सभी का स्वागत किया। उपाध्यक्ष हर्ष चोरडिया ने कहा कि हम टाइकूंस के रूप में व्यवसायिक समुदाय में बदलाव लाने व विकास की कहानी में एक दूसरे का समर्थन करने के लिये तत्पर रहते है। सचिव शैलेश श्रीश्रीमाल के अनुसार बैठक में उपस्थित 51 सदस्यों के बीच 151 रेफ़रल व 65 वन टू वन ऑफर के माध्यम से लगभग 96 लाख रुपयों के व्यापारिक समझौते हुए।

बैठक में प्रज्वल गिरिया ने ऊर्जावान समूह के निर्माण के गुण बताये। मेट्रो सेरमिक्स के नवीन भूरट व कुशल ऐनेक्स के कुशल सोलंकी ने अपने उत्पादों की प्रस्तुति दी। सभी सदस्यों को अपने व्यवसाय के संक्षिप्त परिचय हेतु 30 सेकंड का समय दिया गया। जीतो नॉर्थ के उपाध्यक्ष व मीडिया प्रभारी सिद्धार्थ बोहरा के अनुसार कोमल जैन को बैंकिंग श्रेणी के तहत टाइकूंस में सम्मिलित किया गया।

विजयनगर स्थानकवासी जैन संघ के सदस्यों ने की मानवसेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी विजयनगर जैन युवा संघ के तत्वावधान में मंगलवार को अमावस्या के मौके पर आरपीसी लेआउट स्थित विकासा स्पेशल स्कूल फॉर डिसेबल्ड चिल्ड्रेन में मानवसेवा के कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूल के 86 बच्चों को डांस क्लास के लिए 2 माइक एवं 1 स्पीकर, खेलकूद के 90 टी-शर्ट एवं ट्रैक पेंट, बीपी की मशीन, खाने पीने के आवश्यक सामग्री भेंट कर गई। इस मानवसेवी कार्यक्रम में विजयनगर संघ के अध्यक्ष राजेंद्र कोठारी, मंत्री कन्हैयालाल सुराना, कोषाध्यक्ष रतन बोहरा, सदस्य गौतम दक, दिनेश पोरवाड़, रवि जैन, युवा मार्गदर्शक सुनील लोढ़ा, युवा संघ के अध्यक्ष पारस मेहता और मंत्री शंकर दक के सेवा प्रदान की। यह जानकारी मानव सेवा कार्य के सचिव एवं युवा सहमंत्री सुरेंद्र गुंदेचा ने दी।

जैन अलर्ट ग्रुप का हुआ गठन, ग्रुप देगा जरुरतमंदों को हर संभव निशुल्क सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। शहर के गुरुदेवनगर गदग परिसर स्थित दादावाड़ी मंदिर श्री पार्श्व कुशल धाम में जैन अलर्ट ग्रुप संस्था का गठन व बैठक हुई। दिनेश भन्साली ने सबका स्वागत करते हुए ’24/7 आप की सेवा में’ जैन अलर्ट ग्रुप संस्था की विस्तृत जानकारी दी। इस मौके पर विभिन्न चर्चा के बाद वर्ष 2024-25 के लिए मनोज बाफना को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया। साथ ही दिनेश भंसाली को सचिव, महावीर सोलंकी व राजेश परमार को सलाहकार, सुनील पालरेचा को कोषाध्यक्ष चुना गया। ज्ञातव्य है कि यह ग्रुप समाज के जरुरतमंदों को सामाजिक, आर्थिक, वित्तीय, चिकित्सा व शिक्षा के क्षेत्र में हमेशा तत्पर रहेगा तथा यह सभी सेवाएं निशुल्क प्रदान करेगा। इस ग्रुप द्वारा जो भी मदद का कार्य किया जाएगा, उसका नाम सार्वजनिक नहीं किया जाएगा। इस संस्था में विमल कटारिया, धीरज पालरेचा, गुंजन गाला, हरीश शाह, जितेंद्र जीरावला, निखिल भन्साली, सुनील मोमाया, सुरेश श्रीश्रीमाल, यशवंत पालरेचा,श्रवण संकलेचा आदि सदस्य शामिल हैं।

तेयुप के सदस्यों ने दी अमावस्या आध्यात्मिक कार्यक्रमों की जानकारी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के तेरापंथ युवक परिषद (तेयुप) राजाजीनगर के सदस्य हरीश मुणोत, उपाध्यक्ष राजेश देरासरिया ने आचार्यश्री महाश्रमणजी के दर्शन किए तथा आचार्यश्री को उनके द्वारा इंगित प्रत्येक मासिक अमावस्या को जप, तप और स्वाध्याय के विशेष आयोजन की जानकारी दी। पदाधिकारियों ने बताया कि परिषद प्रत्येक अमावस्या यह आयोजन कर रही है और उन्होंने संस्था द्वारा बनाये गये फोल्डर प्रदान कर आयाम की जानकारी दी। यह फोल्डर आचार्यश्री मुख्यमुनि महावीरमुनिजी एवं तेयुप आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनिश्री योगेशकुमारजी सहित तेयुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा, सहमंत्री भूपेश कोठारी, कोषाध्यक्ष नरेश सोनी आदि को प्रदान किया गया।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com